RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 19 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 2 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

चार दिव्यांगजनों को राज्योत्सव में प्राप्त हुआ अनुदान

दुर्ग। रायपुर विधायक एवं अध्यक्ष छ.ग. गृह निर्माण मंडल कुलदीप जुनेजा, श्रीमती शलिनी रिवेंद्र यादव, अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग, धीरज बाकलीवाल महापौर, नगर पालिक निगम दुर्ग, मान.श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा, जिला कलेक्टर दुर्ग तथा सम्मानीय जनप्रतिनिधिगणों के द्वारा राज्योत्सव के उपलक्ष्य में विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत 4 दिव्यांगजनो को स्टाल में चेक प्रदाय किया गया और विभागीय अनुदान प्राप्त स्वैच्छिक संस्था स्नेह संपदा विद्यालय के मानसिक दिव्यांगो के द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शनी किया गया। साथ ही विभाग के जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रदर्शन स्टॉल के माध्यम से किया गया।

आत्मा से संवाद का उत्सव है लोकनृत्य इगु नृत्य

रायपुर। अरुणाचल की लोकसंस्कृति में मृत्यु के पश्चात आत्मा से संवाद लोकनृत्य के माध्यम से होता है। सामान्य मौत की स्थिति में परिजनों के मृत्यु के चार-पांच दिन तक उपवास रखा जाता है और इस अवधि में मृतात्मा से संवाद लोकनृत्य के माध्यम से होता है। यह संवाद इदुमिस्थि जनजाति द्वारा किया जाता है। अपने पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ यह संवाद किया जाता है। उल्लेखनीय है कि अनेक जनजातियों में मृतात्मा के साथ ऐसे संवाद की परंपरा रही है और बहुत समृद्ध परंपरा रही है। ऐतिहासिक रूप से भी मृत्यु संबंधी अनेक लोकमान्यताएं जनजातीय समुदाय में मिलती हैं। उल्लेखनीय यह भी है कि इगु नृत्य का प्रदर्शन केवल सामान्य मौत में ही होता है। असामयिक रूप से किसी की मृत्यु हुई हो तो यह नृत्य नहीं होता। पारंपरिक अरुणाचल के परिधान के साथ और उनके खास वाद्ययंत्रों के साथ इगु का प्रदर्शन राष्ट्रीय आदिवासी लोकनृत्य महोत्सव में हुआ।

नरसिंह का मुखौटा लगा किया लोक नृत्य, महाराष्ट्र में मशहूर है सोंगी मुखौटा नृत्य

रायपुर। पौराणिक कथाओं में नरसिंह अवतार की कथा आती है जिसमें भगवान विष्णु नरसिंह का रूप लेकर हिरण्यकश्यप का वध करते हैं। यह कथा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। इसी कथा को आधार बनाकर महाराष्ट्र में सोंगी मुखौटा लोकनृत्य किया जाता है। होली पर्व के बाद महाराष्ट्र में यह नृत्य किया जाता है और देवी की पूजा के साथ उत्सव मनाया जाता है। कथा में दो कलाकार नरसिंह का रूप धारण कर नृत्य करते हैं और ढोल पावरी तथा संबल वाद्य यंत्रों के माध्यम से पैदा हुई ध्वनि से कथा दर्शकों के समक्ष जीवंत हो जाती है।

बेशर्मी भरा बयानः ओरेवा ग्रुप ने कोर्ट में कहा

मोरबी पुल हादसे के लिए भगवान कसूरवार!

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के मोरबी पुल हादसे ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। 135 लोगों की मौत हो चुकी है और लाशों को खोजने के लिए अभियान अभी भी जारी है। इस पुल हादसे के बाद कई अधिकारियों की लापरवाही पर कई सवाल भी खड़े होने लगे हैं, लेकिन पुल की मरम्मत और देखरेख करने वाली ओरेवा कंपनी ने हादसे का पूरा दोष भगवान पर ही डाल दिया है। ओरेवा कंपनी के मीडिया मैनेजर दीपक पारेख ने इस दर्दनाक हादसे से पूरी तरह से पल्ला झाड़ लिया है। उनकी ओर से कोर्ट में बयान दिया गया है कि इस बार भगवान की कृपा नहीं रही होगी, इसलिए यह हादसा हो गया।

एमडी को बताया अच्छा आदमी

दीपक पारेख ने ओरेवा कंपनी का बचाव करते हुए एमडी जयसुख पटेल को अच्छा आदमी बताया है। उन्होंने कहा है कि हमारे एमडी जयसुख पटेल अच्छे इंसान हैं। 2007 में प्रकाशभाई को पुल का काम सौंपा गया था, उन्होंने बखूबी काम किया। इसलिए दोबारा उन्हें काम दिया गया। पहले भी हमने मरम्मत का काम किया था, लेकिन इस बार भगवान की कृपा नहीं रही होगी।

नौ लोगों की हुई है गिरफ्तारी

पुलिस ने पुल हादसे में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद पांच आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वहीं ओरेवा कंपनी के दो प्रबंधकों समेत चार आरोपियों को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। वहीं सरकार की ओर से पुल हादसे की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में मामले की न्यायिक जांच को लेकर याचिका दायर की गई है, जिस पर 14 नवंबर को सुनवाई होनी है।

सामने आई चौंकाने वाली चिट्ठी

इस पुल हादसे को लेकर एक चौंकाने वाली चिट्ठी भी सामने आई है। ओरवा कंपनी की ओर से जनवरी, 2020 में मोरबी जिला कलेक्टर को एक चिट्ठी लिखी गई थी, इससे पता चलता है कि पुल के ठेके को लेकर कंपनी और जिला प्रशासन के बीच एक लड़ाई चल रही थी। ओरेवा ग्रुप पुल के रखरखाव के लिए एक स्थायी अनुबंध चाहता था। समूह ने कहा था कि जब तक उन्हें स्थायी ठेका नहीं दिया जाता तब तक वे पुल पर अस्थायी मरम्मत का काम ही करते रहेंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि ओरेवा फर्म पुल की मरम्मत के लिए सामग्री का ऑर्डर नहीं देगी और वे अपनी मांग पूरी होने के बाद ही पूरा काम करेंगे।

बिलासपुर सेंट्रल जेल से जज को भेजा धमकी भरा पत्र मांगी 50 करोड़ की फिरौती

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर सेंट्रल जेल में बंद कैदी ने उत्तराखंड के जज को धमकी भरा पत्र भेजकर 50 करोड़ की फिरौती मांगी है। पत्र मिलने के बाद नैनीताल के मल्लीताल थाने में मामला दर्ज कराया गया है। इसके बाद उत्तराखंड पुलिस सोमवार को बिलासपुर पहुंची थी। जेल से पत्र कैदी डकैत पुष्पेंद्र चौहान ने लिखा था। उससे हेंडराइटिंग भी मैच हुई है। इसके बाद सिविल लाइन थाना पुलिस और नैनीताल पुलिस जांच कर रहे हैं।

जांच अधिकारी प्रीतम सिंह के अनुसार धमकी भरा पत्र पोस्ट ऑफिस के माध्यम से जज को प्राप्त हुआ है। उसके बाद नैनीताल पुलिस ने बिलासपुर पहुंचकर मुख्य पोस्ट ऑफिस जाकर जांच शुरू की। मौके का नक्शा पंचनामा तैयार किया गया। फिर जांच को आगे बढ़ाते हुए अधिकारी केंद्रीय जेल भी पहुंचे और डकैत पुष्पेंद्र चौहान से पूछताछ की। पुष्पेंद्र ने फिरौती नहीं मिलने पर जज को जान से मारने की धमकी दी थी।

वहीं बिलासपुर के सिविल लाइन थाना पुलिस का कहना है कि नैनीताल पुलिस जांच के लिए सोमवार को आई थी। उनकी सूचना पर जांच और सत्यापन के लिए नैनीताल पुलिस केंद्रीय जेल गई और वहां पत्र के साथ उसकी राइटिंग को वैरीफाई किया। इसमें कैदी पुष्पेंद्र ने ही डाक से नैनीताल पत्र भेजने की पुष्टि हुई है। डकैत पुष्पेंद्र सिंह कैदी ने पहले भी इस तरह से बहुत लोगो को ऐसी धमकी दे चुका है।

पुष्पेंद्र चौहान ने पहले भी कई राज्यो के मुख्यमंत्री, राज्यपाल को धमकी भरा पत्र भेज चुका है। वर्तमान में पुष्पेंद्र चौहान बिलासपुर केंद्रीय जेल में बंद है। नैनीताल पुलिस को जो पत्र मिला है उसमें भेजने वाले का नाम आईजूनआर लिखा हुआ है, लेकिन उसमें जो शब्द हैं वह पहले पुष्पेंद्र चौहान के भेजे गए पत्र से हुबहू मिलते हैं। बहरहाल नैनीताल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांकेर जिले में सुरक्षाबलों ने मार गिराए 13 लाख रुपये के इनामी दो नक्सली

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। बस्तर के कांकेर जिले में सोमवार को एक मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 13 लाख रुपये के इनामी दो नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए कैडरों की पहचान सीपीआई (माओवादी) की उत्तर बस्तर डिवीजन कमेटी के सदस्य दर्शन पड्डा (32) और माओवादियों की एक्शन टीम के कमांडर जागेश सलाम (23) के रूप में की गई है। दर्शन पड्डा माओवादियों की परतापुर एरिया कमेटी का सचिव था।

दोनों नक्सलियों के सर पर था इनाम

कांकेर के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने बताया कि नक्सली दर्शन पड्डा पर 8 लाख रुपये का इनाम था। पड्डा नक्सलियों का वरिष्ठ कैडर था और उत्तरी बस्तर में माओवादी हिंसा के लगभग 39 से 40 मामलों का आरोपी था। वहीं जागेश सलाम भी कई मामलों में वांछित था। जागेश सलाम पर 5 लाख रुपये का इनाम था।

मुठभेड़ सोमवार सुबह सिकसोद थाना अंतर्गत कदमे गांव के जंगल में हुई। पुलिस अधिकारी ने बताया- हमें सूचना मिली थी कि वरिष्ठ माओवादी कार्यकर्ता एक गांव में जमा हो रहे हैं। इसके बाद जिला रिजर्व गार्ड और सीमा सुरक्षा बल की दो टीमें नक्सल विरोधी इस अभियान में गईं। डीआरजी का गश्ती दल जब कदमे गांव के पास पहुंचा तो माओवादियों ने टीम पर गोलियां चला दीं।

भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

पुलिस अधिकारी के मुताबिक नक्सलियों की फायरिंग के बाद सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के खत्म होने के बाद मौके से दो माओवादियों के शव बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से एक 315 बोर की राइफल, एक देशी पिस्तौल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया। मुठभेड़ के दौरान कुछ नक्सली फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस की टीम मौके पर तलाशी अभियान चला रही है। छत्तीसगढ़ का कांकेर जिला नक्सल प्रभावित माना जाता है।

राज्योत्सव कार्यक्रम का कांग्रेस की महिला विधायक ने किया बहिष्कार

उद्घाटन के डेढ़ घंटे बाद मिला कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी। नवनिर्मित मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में हुए मंगलवार को हुए राज्योत्सव कार्यक्रम का कांग्रेस की महिला विधायक ने बहिष्कार कर दिया। दरअसल खुज्जी विधायक छन्नी साहू सत्ता सरकार में रहने के बाद भी राज्योत्सव में उपेक्षा की शिकार बन गईं। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक इंदरशाह मंडावी थे। अध्यक्षता खुज्जी विधायक छन्नी को करना था। कार्ड में विधायक छन्नी का नाम तो छपा पर अधिकारियों ने उन्हें आमंत्रण कार्ड ही नहीं दिया। अफसरों ने विधायक को राज्योत्सव के उद्घाटन के डेढ़ घंटे बाद आमंत्रण कार्ड पहुंचाया। इससे विधायक नाराज हो गई और कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया।

कलेक्टर के समक्ष जताई नाराजगी

खुज्जी से कांग्रेस की विधायक छन्नी मंगलवार को अंबागढ़ चौकी के रेस्ट हाउस पहुंचीं तब तहसीलदार कार्ड लेकर पहुंचे। उद्घाटन के डेढ़ घंटे बाद आमंत्रण देखकर विधायक का गुस्सा फूट गया। नाराज होकर वे कार्यक्रम में नहीं गई। विधायक ने कलेक्टर के समक्ष नाराजगी जताई और कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया।

यहां दोबारा छपवाया गया कार्ड

खैरागढ़ जिले में कांग्रेस के कई नेताओं के नाम राज्योत्सव कार्यक्रम के कार्ड में नहीं होने से प्रशासन की खूब किरकिरी हुई। आनन-फानन में सोमवार दोपहर को कार्ड की दोबारा छपाई कराई गई। जिसके बाद छूटे हुए नाम जोड़कर नए कार्ड का वितरण कराया गया। तब जाकर मामला शांत हुआ।

पीएम मोदी ने किया इनवेस्ट कर्नाटक 2022 का उद्घाटन, भारत की ओर देख रही दुनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (बुधवार) कर्नाटक में आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन 'इनवेस्ट कर्नाटक-2022' का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। साथ ही लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में यूक्रेन-रूस के बीच चल रहे युद्ध और हाल ही में आई कोरोना महामारी से बनी स्थितियों का विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं अब पूरी दुनिया भारत की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देख रही है।

कर्नाटक वह जगह है जहां परंपरा और तकनीक दोनों हैं

इन्वेस्ट कर्नाटक 2022 समिट में पीएम मोदी ने कर्नाटक की प्राकृतिक खूबसूरती और संस्कृति के बारे में बात की। उन्होने कहा कि यह वह जगह है जहां परंपरा और तकनीक दोनों हैं। यह वह जगह है जहां प्रकृति और संस्कृति का अनूठा संगम है। जब हम टैलेंट और टेक्नोलॉजी की बात करते हैं, तो सबसे पहले हमारे दिमाग में बेंगलुरु नाम आता है।

अर्थव्यवस्था को कर रहे मजबूत

आगे पीएम मोदी ने कहा कि हालांकि यह वैश्विक संकट का समय है, दुनिया भर के अर्थशास्त्री और विशेषज्ञ भारत को एक उज्ज्वल स्थान के रूप में वर्णित कर रहे हैं। हम अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अपने बुनियादी सिद्धांतों पर काम लगातार कर रहे हैं। जिन मुक्त व्यापार सौदों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, वे दुनिया को हमारी तैयारियों की एक झलक देते हैं।

निजी निवेश के लिए दरवाजे खोले

शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा कि हमने अपने निवेशकों को लालफीताशाही से मुक्त किया है और उन्हें बहुत अवसर दिए हैं। हमने निवेशकों को विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित किया है जैसे पहले रक्षा, ड्रोन, अंतरिक्ष आदि पहले यहां निजी निवेश के लिए दरवाजे बंद थे।

सीएम बघेल ने 'महात्मा गांधी 21 प्रेरक प्रसंग' पुस्तक का किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहाँ अपने निवास कार्यालय में देश के प्रसिद्ध कवि पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी की नवीन कृति 'महात्मा गांधी 21 प्रेरक प्रसंग' का विमोचन किया । सीएम बघेल ने डॉ. जोगी को उनकी इस नवीन रचना के लिए बधाई एवँ शुभकामनाएं दी ।

फूफाजी ने फिर डाल दिया रंग में भंग

श्रीकंचनपथ

आधुनिक नेतागिरी का अस्सी फीसद काम छवि का होता है. चुनाव में टिकट मिलने या कोई पद मिलने पर नेता सबसे पहले किसी स्टूडियो में जाता है या फिर फोटोग्राफर को घर बुला लेता है. पूरे गेटअप में हर उस ऐंगल से अपनी फोटो खिंचवाता है जिसमें वह प्रभावशाली दिखता हो. कभी हाथ जोडता है तो कभी उंगली उठाकर 'वी' बनाता है. ये फोटो अखबार में, हैण्डआउट में, फ्लायर में और होर्डिंग पर उसकी 'फेस-वैल्यू' बढ़ाते हैं. उसे मंच की भी दरकार होती है जहां से वह अपने 'मन की बात' कह सके. बोलने का मौका न भी मिले पर फोटो में तो आता ही है. पर हमेशा संभव नहीं हो पाता. जब मंच पर सीट की गुंजाइश न हो तो लोग फ्लेक्स-बैनर से काम चला लेते हैं. पर इसमें से भी फोटो गायब हो जाए तो? अगर सरकारी अमला यह गलती कर दे तो नाराज होना तो बनता ही है. मनेन्द्रगढ़ की नगर पालिका अध्यक्ष नाराज होकर जमीन पर बैठ गईं. उन्हें मंच पर जगह नहीं मिल पाई थी. तहसीलदार हाथ जोड़कर उन्हें मनाते रहे. अंबिकापुर में भी ऐसा ही हुआ. पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और प्रदेश महामंत्री के लिए मंच पर बैठने की व्यवस्था नहीं की गई थी. दोनों भड़क गए और तहसीलदार को हाथ जोड़कर उनकी चिरौरी विनती करनी पड़ी. राजनीतिक दलों के ये फूफाजी माहौल में रस घोलते हैं. फूफाजी का यही काम भी है. फूफाजी होते तो घराती हैं पर उनके नखरे बाराती वाले होते हैं. बात-बात पर रूठ जाना और तब तक मुंह फुलाए रहना, जब तक कि कोई उन्हें अच्छे से मना न ले, उसकी आदत होती है. पर फूफाजी भी नए पुराने होते हैं. नए फूफाजी के रूठने पर तो मनाने के लिए भतीजियों की फौज भी आ जाती है पर पुराने फूफाजी के फूले हुए मुंह को देखने की फुर्सत किसी को नहीं होती. ऐसे फूफाजी कार्यक्रम छोड़कर चले जाते हैं और किसी को कोई फर्क भी नहीं पड़ता. पर सब इतने शालीन नहीं होते. कुछ लोगों को अपनी बेइज्जती का हिसाब हाथ-के-हाथ करना होता है. वे कुछ न कुछ ऐसा करते हैं जिससे सबका ध्यान उनकी तरफ जाए. वे मौके की नजाकत को नहीं समझते. भई सरकार आपकी है, कार्यक्रम आपका है. इसमें विघ्न डालकर आप क्या साबित करना चाहते हैं. वैसे भी मंच पर बैठकर आप करते भी क्या? अपने आसपास बैठे लोगों से इतनी बातें करते कि मंच पर बैठे अतिथि विरक्त हो जाते. कुछ लोगों को मंच पर बैठे लोगों से ही सौ काम होते हैं. वे लगातार मंच पर आते जाते रहते हैं. कभी किसी के चरण स्पर्श करते हैं तो कभी किसी के कान में फुसफुसाते हैं. मंच की यही अव्यवस्था मंचस्थ लोगों को भाषण नहीं सुनने देती. लोग सबकुछ भूल जाते हैं. सभा को संबोधित करते समय भी पीछे मूड़कर आयोजन और आयोजकों का नाम तक उन्हें पढ़कर बोलना पड़ता है. अच्छा हो मंच पर दो या तीन कुर्सियां ही लगाई जाएं.

छत्तीसगढ़ सरकार की केन्द्र को चिट्ठीः परसा कोल ब्लॉक की मंजूरी रद्द करने की अपील

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को पत्र लिखकर हसदेव अरण्य स्थित परसा कोयला ब्लॉक को दी गई वन मंजूरी (फॉरेस्ट अप्रुवल) को रद्द करने की मांग की है। परसा कोयला ब्लॉक को लेकर लंबे समय से विरोध हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इसके पक्ष में कानून व्यवस्था की समस्या पैदा होने के साथ ही स्थानीय लोगों के लाभ का हवाला दिया है। राज्य सरकार के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

बता दें कि परसा कोयला ब्लॉक को राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) को आवंटित किया गया है। वहीं कोयला खदान के डेवलपर एवं आपरेटर का काम अडाणी एंटरप्राइजेज को दिया गया है। राज्य सरकार का कहना है कि खनन के विरोध में हसदेव क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है इसलिए वह स्थानीय लोगों के लाभ को देखते हुए वन मंजूरी को रद्द करने की गुजारिश करती है।

छत्तीसगढ़ सरकार के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अवर सचिव केपी राजपूत की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया है कि लोगों के विरोध के चलते पैदा हुई कानून व्यवस्था की स्थिति और व्यापक लोकहित को देखते हुए परसा कोयला ब्लॉक परियोजना के लिए जारी वन भू उपयोग परिवर्तन की स्वीकृति को निरस्त कर दिया जाए। परसा कोयला ब्लॉक परियोजना 841.548 हेक्टेयर में फैली है। मालूम हो कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस साल मार्च में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात करके परियोजना की राह में आ रही अड़चनों को दूर करने की गुजारिश की थी।

मालूम हो कि हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले स्थानीय लोग बीते कई महीनों से इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं। परियोजना के लिए वनों की कटाई शुरू हुई जिसको लेकर आदिवासियों के विरोध के बाद इसको रोक दिया गया। पर्यावरण संरक्षण को लेकर काम कर रहे कार्यकर्ताओं का दावा है कि परसा खनन परियोजना के कारण लगभग 700 लोग विस्थापित होंगे और लगभग 840 हेक्टेयर के क्षेत्र में घने जंगल नष्ट हो जाएंगे।

संपादकीय

सजा और सबक

बेंगलुरु की विशेष अदालत ने पुलवामा विस्फोट में 40 जवानों की शहादत पर खुशी जताने वाले इंजीनियरिंग छात्र फैज रशीद को पांच वर्ष की कैद के साथ-साथ 25 हजार रुपये के जुर्माने की जो सजा सुनाई है, वह काफी महत्वपूर्ण है। ऐसी किसी भी हिमाकत को रोकने में यह फैसला यकीनन एक नजीर बनेगा। गौरतलब है, फरवरी 2019 के एक आतंकी हमले में सीआरपीएफ जवानों की बसों के काफिले को निशाना बनाया गया था और उसी दिन फैज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर अपनी खुशी का इजहार किया था। उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया था और तभी से ही यह सलाखों के पीछे है। जाहिर है, पश्चाताप के अगले कई महीने उसे अभी जेल में ही काटने पड़ेंगे और उम्मीद है, अपनी सजा पूरी करके जब वह बाहर निकलेगा, तब एक बेहतर नागरिक साबित हो सकेगा। बेलगाम सोशल मीडिया और गहराते सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के इस वक्त में हमारे किशोर-नौजवान अक्सर लक्ष्मण-रेखा का उल्लंघन करने लगे हैं और इस तरह वे अपने लिए तो कानूनी मुसीबत मोल लेते ही हैं, समाज में और कटुता बो देते हैं। फैज का अपराध अमानवीय तो है ही, उससे राष्ट्र से द्रोह की बू भी आती है। ऐसे में, वह अभिव्यक्ति की आजादी का दावा भी नहीं कर सकता था? फिर, हम तो दुश्मन तक को गरिमामयी अंतिम विदाई देने की रवायत जीने वाले समाज रहे हैं, फिर वे तो देश के जांबाज नायक थे। उनका अपमान एक युवा नागरिक सोच भी कैसे सकता है? आज के तकनीकी दौर में, गलतियों को झुठलाना आसान नहीं है। हाल ही में, कई-कई साल पुराने ट्वीट सामने लाकर लोगों ने आरोपियों को माफी मांगने तक को बाध्य कर दिया था। इस फैसले का सबक यही है कि सोशल मीडिया में कोई भी टिप्पणी करते हुए लक्ष्मण रेखा का हमेशा ख्याल रखें। इसमें कोई दोराय नहीं कि सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों ने व्यक्ति के तौर पर आजाद अभिव्यक्ति के अपार अवसर दिए हैं, मगर अविवेकी लोगों ने इसका दुरुपयोग भी कुछ कम नहीं किया। आतंकियों और जालसाजों के जघन्य अपराधों से इतर भी असामाजिक तत्व इन मंचों का कितना दुरुपयोग कर रहे हैं, इसकी एक बानगी इसी अगस्त में मेटा द्वारा 300 भारतीय अकाउंट के खिलाफ की कई कार्रवाई है। कंपनी के मुताबिक, ये लोग महिलाओं, अभिनेता-अभिनेत्रियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और धर्म विशेष के खिलाफ अभद्र, भड़काऊ व अपमानजनक टिप्पणियां कर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। इन सभी अकाउंट को निरस्त करना पड़ा। सवाल यह है कि फैज जैसे नौजवानों के मन में धर्म की आड़ में नफरत बोने को कैसे रोका जाए? यह नफरत किसी एक धर्म या जाति तक सीमित नहीं है। घृणा अपनी जड़ें चौतरफा पसार रही है और एक देश के रूप में भारत के लिए यह बड़ी चुनौती है कि अपनी नस्लों में सबसे पहले देश और इंसानियत की भावना को कैसे रोपा जाए? ऐसे में, धर्म के ऊंचे आसन पर बैठे लोगों की जिम्मेदारी कहीं बड़ी हो जाती है कि वे अपने बीच के ऐसे तत्वों की शिनाख्त करें और उन्हें हतोत्साहित करें, ताकि वे समाज में जहर न फैलाएं। फैज जैसे नौजवानों की जहनीयत हमारी पूरी शिक्षा-व्यवस्था, परिवार-व्यवस्था को कठघरे में खड़ा करती है। अगर हम अपने बच्चों को इतना भी शऊर न दे पाए कि शहीदों को सिर्फ सलामी दी जाती है, तो फिर सलाखों के पीछे ही उनका भविष्य गर्क होगा!

> आतंकियों और जालसाजों के जघन्य अपराधों से इतर भी असामाजिक तत्व इन मंचों का कितना दुरुपयोग कर रहे हैं, इसकी एक बानगी इसी अगस्त में मेटा द्वारा 300 भारतीय अकाउंट के खिलाफ की कई कार्रवाई है। कंपनी के मुताबिक, ये लोग महिलाओं, अभिनेता-अभिनेत्रियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और धर्म विशेष के खिलाफ अभद्र, भड़काऊ व अपमानजनक टिप्पणियां कर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। इन सभी अकाउंट को निरस्त करना पड़ा। सवाल यह है कि फैज जैसे नौजवानों के मन में धर्म की आड़ में नफरत बोने को कैसे रोका जाए? यह नफरत किसी एक धर्म या जाति तक सीमित नहीं है।

ऋषि सुनाक पर फूहड़ बहस

ब्रिटेन में ऋषि सुनाक के प्रधानमंत्री बनने पर भारत में बधाइयों का तांता लगना चाहिए था लेकिन अफसोस है कि हमारे नेताओं के बीच फूहड़ बहस चल पड़ी है। कांग्रेस के दो प्रमुख नेता, जो काफी पढ़े-लिखे और समझदार हैं, उन्होंने बयान दे मारा कि सुनाक जैसे 'अल्पसंख्यक' को यदि ब्रिटेन-जैसा कट्टरपंथी देश अपना प्रधानमंत्री बना सकता है तो भारत किसी अल्पसंख्यक को अपना नेता क्यों नहीं बना पाया? यह बहस चलाने वाले क्यों नहीं समझते कि भारत तो ब्रिटेन के मुकाबले कहीं अधिक उदार राष्ट्र है। इसमें सर्वधर्म, सर्वभाषा, सर्ववर्ग, सर्वजाति समभाव की धारणा ही इसके संविधान का मूल है।

उनके उक्त बयान का असली आशय क्या है? उसका असली हमला भाजपा पर है। भाजपा की हिंदुत्व की अवधारणा ने कांग्रेसियों के होश उड़ा रखे हैं। हर चुनाव के बाद उनकी पार्टी सिकुड़ती जा रही है। कांग्रेस ने कई बार हिंदुत्व का पास फेंका और दावा मारा लेकिन उसका पासा कभी सीधा पड़ा ही नहीं। अयोध्या में राजीव गांधी द्वारा राम-मंदिर का दरवाजा खुलवाना और राहुल का मंदिर-मंदिर भटकना अभी तक किसी काम नहीं आया तो अब कांग्रेस के नेताओं ने भाजपा को रगड़ा देने के लिए ऋषि सुनाक को अपना औजार बना लिया है। लेकिन वे भूल गए कि ब्रिटेन के मुकाबले भारत कहीं अधिक सहिष्णु रहा है।

जब कांग्रेसी 'अल्पसंख्यक' शब्द का प्रयोग करते हैं तो उनका अर्थ सिर्फ मुसलमान ही होता है। भारत में डा. जाकिर हुसैन, फखरुद्दीन अली अहमद और ए.पी.जे. अब्दुल कलाम राष्ट्रपति बने। क्या ये तीनों महानुभाव मुसलमान नहीं थे? भारत के कई अत्यंत योग्य मुसलमान सज्जन उप-राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सेनापति आदि रह चुके हैं। ब्रिटेन हमें क्या सिखाएगा? अभी उदारता में तो वह पहली बार घुटनों के बल चला है। सुनाक को प्रधानमंत्री तो उसने मजबूरी में बनाया है। छह साल में पांच प्रधानमंत्री उलट गए, तब जाकर सुनाक को स्वीकार किया गया है।

वे प्रधानमंत्री इसलिए नहीं बनाए गए हैं, क्योंकि वे अश्वेत हैं, हिंदू हैं या वे ब्रिटिशतेर मूल के हैं। वे हीं कंजर्वेटिव पार्टी के अंतिम तारणहार दिखाई पड़ रहे थे। वे 'अल्पसंख्यक' होने के कारण नहीं, अपनी योग्यता के कारण प्रधानमंत्री बने हैं। भारत तो एक इतावली और केथोलिक महिला (सोनिया गांधी) को भी सहर्ष प्रधानमंत्री मानने को तैयार था लेकिन वह स्वयं त्यागमूर्ति सिद्ध हुईं और उन्होंने एक सिख को, जो कि अत्यंत योग्य, अनुभवी और शिष्ट व्यक्ति थे याने डा. मनमोहनसिंह को प्रधानमंत्री पद सौंप दिया।

क्या भारत के सिख बहुसंख्यक हैं? ऋषि सुनाक का प्रधानमंत्री बनना अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक की श्रेणी से बाहर का प्रपंच है। उन्हें संख्या के आधार पर नहीं, उनकी योग्यता के आधार पर यह पद मिला है। 2025 के अगले चुनाव में यदि वे चुने गए और प्रधानमंत्री बन गए तो क्या वे अल्पसंख्यकों के वोट से बन जाएंगे? ब्रिटेन के लगभग 7 करोड़ लोगों में से भारतीय मूल के मुश्किल से 15 लाख लोग हैं। क्या इन ढाई प्रतिशत लोगों के वोट पर कोई 10, डाउनिंग स्ट्रीट में जाकर बैठ सकता है? तो फिर इस फूहड़ बहस की तुक क्या है?

> **इमरान को खैबर-पख्तुनवा प्रांत से भी समर्थन मिल रहा है, लेकिन सबसे प्रभावी समर्थन पंजाब से आ रहा है। गौर कीजिए, पाकिस्तान में बलूच अगर रियासत के खिलाफ खड़े हों, तो उन्हें गोलियों से भून दिया जाता है। सिंधियों और पख्तूनों को भी मारपीट कर शांत कर दिया जाता है, लेकिन पंजाब में ऐसी ज्यादती करना मुश्किल हो जाता है। इमरान खान के साथ आम लोगों का समर्थन दिख रहा है।**

तलवार की धार पर चलता पाकिस्तान

सुशांत सरीन, सीनियर फेलो, ऑब्जर्वर रिसर्च

पाकिस्तान इन दिनों तलवार की धार पर है। हालात क्या करवट लेंगे, कहना बहुत मुश्किल है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान चर्चा के केंद्र में चल रहे हैं। पहली बार इस तरीके से किसी नागरिक नेता ने पाकिस्तान की फौज और रियासत को चुनौती दी है। वर्तमान रियासत और फौज सकते में हैं, उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि इस चुनौती को किस तरह संभाला जाए। पहले यह हुआ करता था कि जैसे ही कोई राजनेता फौज के खिलाफ बातें करता था या फौज को चुनौती देता था, उसे दूध से जैसे मक्खी को फेंका जाता है, वैसे फेंक दिया जाता था। कई बार बिल्कुल रातोंरात फेंक दिया जाता था, तो कई बार घेरे में लेकर खत्म किया जाता था। नवाज शरीफ, बेनजीर भुट्टो इत्यादि नागरिक नेताओं के साथ यही हुआ था। विरोधी नेता कद्दावर न हो, तो पकड़कर सीधे जेल में डाल दिया जाता है। जैसे जावेद हाशिमी नाम के एक नेता थे, उन्होंने फौज के खिलाफ जब कुछ कहा, तो उन्हें 25 साल के लिए जेल में डाल दिया गया था मुशर्रफ के दौर में। ऐसे बहुत से उदाहरण हैं।

पहली बार हुआ है कि इमरान खान पर हाथ डालने से फौज एक प्रकार से डर रही है। फौज को डर है कि इमरान के खिलाफ कोई कड़ा कदम उठाया या उन्हें जेल में डाल दिया, तो कहीं ऐसा उपद्रव न हो जाए कि जिसे फौज संभाल न पाए। उपद्रव केवल सड़कों पर नहीं, ज्यादा बड़ा खौफ यह है कि फौज के अंदर भी दरारें आ गई हैं। इमरान खान ने कहा भी है कि फौज का आला कमान मेरे खिलाफ है, लेकिन फौज के मध्य अफसर हैं, मेरे साथ हैं। जनरल के परिवार भी मेरे हक में हैं। फौज को लग रहा है कि उसके कड़े कदमों से कहीं 'अरब स्प्रींग' या विद्रोह जैसी स्थिति न पैदा हो जाए। उपद्रव हुआ, तो संभालने के लिए गोलियां चलानी पड़ेंगी, इसमें दो समस्याएं हैं। इमरान को खैबर-पख्तुनवा प्रांत से भी समर्थन मिल रहा है, लेकिन सबसे प्रभावी समर्थन पंजाब से आ रहा है। गौर कीजिए, पाकिस्तान में बलूच अगर रियासत के खिलाफ खड़े हों, तो उन्हें गोलियों से भून दिया जाता है। सिंधियों और पख्तूनों को भी मारपीट कर शांत कर दिया जाता है, लेकिन पंजाब में ऐसी ज्यादती करना मुश्किल हो जाता है। इमरान खान के साथ आम लोगों का समर्थन दिख रहा है। उच्च-मध्य वर्ग और मध्यवर्ग का भी समर्थन उन्हें मिल रहा है, इन वर्गों के लोग फौज में हैं, नौकरशाही में हैं, इंजीनियर, डॉक्टर, कारोबारी हैं। अपने ही लोगों पर गोली चलाना या जेल में डाल देना बहुत मुश्किल काम है। इससे उपद्रव की स्थिति और गंभीर हो सकती है। यह आशंका लगातार कायम है कि फौज तख्ता पलट दे, खुद देश की कमान संभाल ले। अभी फौज के जो प्रमुख हैं, वह छह साल से कमान संभाले हुए हैं। वह 29 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। पाकिस्तान में अब अगर फौज तख्ता पलटे, तो कोई एक डिक्टेटर या तानाशाह नहीं होगा। एक शब्द प्रचलित है जुंटा, वास्तव में हुंटा शब्द सही है। इस हुंटा में पांच-छह वरिष्ठ जनरल होंगे, जो सत्ता चलाएंगे। इसमें अपनी दुश्वारियां हैं, शासन चलाना आसान नहीं होगा। अब पाकिस्तान में कोई एक जनरल भी सत्ता संभाल ले, तो उसके लिए संभालना मुश्किल होगा।

अभी फौज की स्थिति पाकिस्तान में बहुत घूमिल हो गई है। पहले जब तख्ता पलटा जाता था, तब चुनी हुई सरकार अलोकप्रिय हो गई होती थी और लोग चाहने लगते थे कि फौज सत्ता संभाले। अभी बिना जन-समर्थन के फौज के लिए भी सत्ता संभालना मुश्किल होगा। पाकिस्तान में एक और बड़ी बात हो रही है कि वहां की अर्थव्यवस्था घुटनों पर आ गई है। अगर दुनिया से कर्ज नहीं मिले, तो वहां श्रीलंका से भी बुरे हालात हो जाएंगे। इसके साथ ही तालिबान की वापसी के बाद से आतंकवाद फिर सर उठा रहा है। इसके अलावा बाढ़ ने भी एक बड़ी आबादी व अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। अनेक समस्याएं साथ-साथ चल रही हैं। इमरान खान के लिए समस्या यह है कि फौज का नेतृत्व इमरान के पक्ष में नहीं हैं। इमरान की वजह से फौज में दरारें पड़ी हैं, समाज में भी मतभेद बढ़ा है। पाकिस्तान के हालात नाजुक हो गए हैं। पाकिस्तान को बाहर से मदद की जरूरत है। इमरान खान ने जिस तरह से विदेश नीति का संचालन किया है, उन्हें मदद कहीं से नहीं मिलेगी। चीन या सऊदी अरब से भी ज्यादा मदद नहीं मिल रही है। लगे हाथ, इमरान खान ने यह भी बयान दे दिया था कि उनको सत्ता से हटाने में अमेरिका का हाथ है। आर्थिक मदद के बिना पाकिस्तानी रियासत का सोमालिया या श्रीलंका से भी बुरा हाल हो सकता है। फौज किसी भी सूरत में इमरान को आने देना नहीं चाहती, इमरान खान भी इस बात को मान गए हैं। अत: उनकी मांग अब यह है कि चुनाव हो जाएं। समस्या यह है कि चुनाव के लिए अर्थव्यवस्था में भी मूलभूत सुधार या स्थिरता जरूरी है। लोगों के हालात बद से बदतर हो गए हैं। अभी जो उपचुनाव हुए हैं, वो संकेत करते हैं कि वर्तमान सरकार से लोगों का विश्वास घटा है और लोग इमरान की ओर मुड़े हैं। अभी चुनाव होते हैं, तो इमरान जीत सकते हैं, लेकिन फौज यह नहीं चाहती है। वर्तमान संसद का कार्यकाल अगले साल अगस्त तक है और उसके बाद कार्यवाहक सरकार आएगी, जो चुनाव कराएगी। पाकिस्तान में चुनाव अक्तूबर-नवंबर से पहले नहीं होंगे। इमरान चाहते हैं दो-तीन महीने में चुनाव हो जाएं। अब इमरान जो मार्च लेकर आ रहे हैं, वह अगर सफल न हुआ, तो सरकार हावी हो जाएगी। एक संभावना यह भी है, इमरान खान के मार्च में पचास-साठ लाख लोग आ जाएं, इस तरह के हालात बन जाएं, तो हिंसा की आशंका भी बढ़ जाएगी। एक संभावना है, जिसमें फौज या वर्तमान सरकार इमरान की बात मानने के लिए तैयार हो जाए, लेकिन इससे फौज का वर्चस्व खत्म हो जाएगा। फौज बोल तो रही है कि वह राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं सकता कि वह नागरिक सत्ता को पूरी तरह छोड़ दे। पाकिस्तान में गृहयुद्ध की आशंका है। वाकई, पाकिस्तान आज तलवार की धार पर चल रहा है, देखना है, आने वाले दिनों में तलवार किसको काटती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मोटे अनाज ही दुनिया को ले जाएंगे बेहतर सेहत की ओर

क्षमा शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को मिलेट अर्थात मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है। बताते चलें कि इसका प्रस्ताव भारत ने ही रखा था और 72 देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। मोटे अनाजों के बारे में कहा जाता है कि इनकी फसलें प्रतिकूल मौसम को झेल सकती हैं। अच्छी फसल के लिए ज्यादा पानी की जरूरत भी नहीं होती है। भारत के बारे में मशहूर है कि यहां हजारों साल से ये अनाज हमारे भोजन का अनिवार्य हिस्सा रहे हैं।

हमारी पीढ़ी जो पांच-छह दशक पहले बड़ी हो रही थी, उनमें से बहुतों ने बचपन में गेहूं, ज्वार, बाजरा, जौ, मक्का आदि की चूल्हे पर सिकी स्वादिष्ट रोटियां खूब खाई हैं। बाजरे की खिचड़ी, इसकी रोटी, गुड़ और घी मिलाकर बनाए लड्डू, समा के चावल भी भोजन का हिस्सा रहे हैं। तब तो गेहूं की रोटी में भी चने का आटा मिलाकर खाया जाता था, जिसे मिस्सा आटा कहते थे। अकेले गेहूं की रोटी खाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता था। सरदियों में शायद ही ऐसा कोई दिन होता था, जब मक्का या बाजरा की रोटी न बने, लेकिन गेहूं, चावल की पैदावार में क्रांति और इन्हें खाने वालों की आर्थिक हैसियत को ऊंची बताने के कारण मोटे अनाज हमारी थालियों से लगभग गायब हो गए। अरसे बाद जब ये सुपरफूड के रूप में विदेशों से लौटे और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने वाले धनाढ्य वर्ग की थाली की शोभा बढ़ाने लगे, तो फिर इनके प्रति दिलचस्पी बढ़ी। यह अच्छा ही हुआ। फिलहाल सरकार भी इनके उत्पादन के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। खान-पान में इन अनाजों को शामिल करने की बात लगातार की जा रही है। कहा जा रहा है कि इनकी आदत बचपन से ही डालें। बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए उनके भोजन में बाजरा को जरूर शामिल करने की बात कही जा रही है। यदि जीवन भर स्वस्थ रहना है, तो बच्चों में स्वस्थ रहने की आदत और उससे जुड़े खान-पान की आदतों को विकसित करना पड़ता है। अनेक अध्ययनों से पता चलता है कि बच्चे इन दिनों कुपोषण और मोटापे की महामारी से ग्रस्त हैं। बड़ी संख्या में वे उन रोगों से पीड़ित हो रहे हैं, जिन्हें उम्रदराजों के रोग माना जाता था। मोटे अनाजों के बारे में विशेषज्ञों की राय है कि भोजन में इन्हें शामिल करने से कुपोषण तो दूर होता ही है। मोटापा भी नहीं बढ़ता। इसलिए इनके प्रति माता-पिता की जागरूकता बढ़ाना जरूरी है, जिससे वे अपने बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए इन अनाजों को उनके भोजन में शामिल कर सकें। ये अनाज मैग्नीशियम पोटेशियम, कैल्शियम, विटामिन बी, फास्फोरस आदि पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। बच्चों में खून की कमी को भी दूर करते हैं। कोलेस्ट्रोल भी नहीं बढ़ने देते हैं। हैदराबाद में इंटरनेशनल क्राप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के एक सर्वे में पाया गया था कि जौ-बाजरा आदि के पोषक तत्वों से बच्चों का विकास भी तेज होता है, उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

उनकी लंबाई भी बढ़ती है। आसीआरआईएसएटी एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है। इसकी महानिदेशक जैक्लीन ह्यूजेस का भी कहना था कि मोटे अनाजों को दूध पिलाने वाली माताओं और स्कूलों के पोषाहार में शामिल किया जाना चाहिए। यदि बचपन से ही इन्हें बच्चों को खिलाया जाए, तो इनका स्वाद विकसित हो जाता है और वे इनसे बनी चीजों को शौक से खाने लगते हैं। इस तरह से उनकी थाली में गेहूं, चावल की जगह मोटे अनाजों को बढ़ाया जा सकता है। छह-आठ महीने के बच्चों को जब अन्न का भोजन शुरू किया जाता है, तब उनकी खिचड़ी, दलिया आदि में भी इनका प्रयोग किया जा सकता है। सरकारें भी इन्हें बच्चों को दिए जाने वाले दोपहर भोजन में सम्मिलित कर रही हैं। इसके लिए आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मदद ली जा रही है। मोटे अनाजों के व्यंजन बनाने की प्रतियोगिताएं भी आयोजित हो रही हैं। इनमें से बहुत से अनाजों को मौसम के अनुसार खाया जाता है। जैसे बाजरा और मक्का सरदियों में खाए जाते हैं। मक्का, चना, गेहूं, बाजरा आदि अनाजों को आज भी भूनकर खाया जाता है। जंक फूड की आदत से बचना है, तो भुने हुए अनाजों को खाने की आदत डाली जा सकती है। यह आदत ही हमें और दुनिया को अच्छी सेहत की ओर ले जाएगी।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आत्मज्ञान बड़ा ज्ञान

एक महात्मा ने जंगल के बीचोबीच अपना आश्रम बना रखा था। आश्रम में अनेक ऋषि यज्ञ और अध्यात्म-चर्चा करते रहते थे। महात्मा जी का एक शिष्य अत्यंत जिज्ञासु प्रवृत्ति का था। ऋषियों की बातें सुन-सुनकर वह लगातार ब्रह्म के बारे में सोच-विचार करता रहता था। जंगल में वह आश्रम एक अभयारण्य की तरह था। वहां सभी आश्रम के नियमों का पालन करते थे।

एक दिन उस शिष्य ने अपने गुरु के चरण पकड़ लिए और कातर स्वर में बोला कि मुझे भी ब्रह्मज्ञान दीजिए, मैं पूरा जीवन आपकी सेवा करूंगा। गुरु बोले, 'तुम सेवा करना चाहते हो, तो बारह वर्षों तक मेरी गायें चराओ, फिर तुम्हारी इच्छा पूर्ण होगी।' शिष्य ने यह दायित्व स्वीकार कर लिया। बारह वर्षों तक पूरी तन्मयता से वह गायों की सेवा करता रहा। जब गोवंश का खूब विस्तार हो गया, तो एक दिन उसने गुरु से अपनी इच्छा प्रकट की। गुरु बोले, 'बस मेरा एक अंतिम काम कर दो, फिर तुम ब्रह्मज्ञान पाने के अधिकारी बन जाओगे। मेरी एक संदूकची अपने सिर पर रख लो और नदी के उस पार मेरे मित्र के पास इसे सकुशल पहुंचा दो। शिष्य गदगद भाव से संदूकची लेकर चला। मार्ग लंबा था, धूप भी कड़ी थी। चलते-चलते थककर वह एक पेड़ के नीचे बैठ गया और सोचने लगा- इस पुरानी संदूकची में ऐसा क्या है, जो गुरुजी ने इसकी रक्षा करने की हिदायत दी है और यह तक कहा कि भले प्राण चला जाए, पर इस संदूकची की रक्षा तुम्हें करनी है। मैं तो गुरुजी का प्रिय शिष्य हूं, अत: इसे सिर्फ देखने में हर्ज क्या है? यह सोचते हुए उसने जैसे ही संदूकची का ढक्कन हटाया, एक चुहिया निकलकर भाग गई। वह उसे पकड़ने के लिए दौड़ता फिरा, पर चुहिया पकड़ में कहां आती? वह रोता-बिलखता गुरु के पास लौटा। गुरु बोले- 'जब तुम एक छोटी-सी चुहिया को न संभाल सके, तो ब्रह्मज्ञान के तेज को कैसे संभाल सकोगे? इसलिए पहले इसके सुपात्र बनने का अभ्यास करो। तुम्हें आत्म-संयम की बड़ी आवश्यकता है।

वस्तुत: जैसे समुद्र में नौका होती है, वैसे ही आत्मज्ञान द्वारा ब्रह्मज्ञान तक पहुंचा जा सकता है। जो अपने भीतर बैठे हुए परमात्मा के दर्शन कर सकता है, वह पूरे ब्रह्मांड को आत्मसात कर सकता है। जैसे घर्षण होते ही माचिस की तीली सुलग उठती है, वैसे ही ज्ञान की छोटी सी चिनगारी बड़ी अग्नि धधका देती है, आवश्यकता है धैर्य और प्रतीक्षा की। अधीरता चित्त को उद्विग्न करती है और इससे हमारी निर्णय-क्षमता भी प्रभावित हो जाती है। हम बाहरी आंखें तो खुली रखते हैं, पर भीतर की आंखें बंद पड़ी रहती हैं। किसी भी स्थिति में सचेत रहना और आत्म-दर्शन करते रहना असली योगाभ्यास है।

महेंद्र मधुकर

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग
ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में 28 राज्यों, 7 केन्द्र शासित प्रदेशों सहित 10 देशों के कलाकारों ने नृत्य की झलक दिखाकर दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

आदिम सांस्कृतिक मूल्यों को बचाए रखने से बनी रहेगी हमारी एकजुटताः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि पूरी दुनिया के आदिम सांस्कृतिक मूल्यों को जब हम बचाए रखेंगे, तभी हमारी एकजुटता बची रहेगी और प्राकृतिक संतुलन के साथ विकास की अवधारणा साकार हो सकेगी। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य आदिवासियों के अधिकारों के लिए पूरी दुनिया में एकजुटता कायम करना है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आज यहां साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित भव्य समारोह में तीसरे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव और छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का शुभारंभ करते हुए इस आशय के विचार व्यक्त किए। उन्होंने दीप प्रजज्वलित कर एवं आदिवासी वाद्ययंत्र नगाड़ा बजाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने सभी राज्यों के नर्तक दल और विदेशी मेहमानों का हार्दिक स्वागत करते हुए प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस और तीसरे राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की बधाई दी।

स्वागत कार्यक्रम में देश के 28 राज्यों, 7 केन्द्र शासित प्रदेश सहित 10 देशों मोज़ाम्बिक, टोगो, ईजिप्ट, मंगोलिया, इंडोनेशिया, रूस, न्यूजीलैंड, सर्बिया, रवांडा और मालदीव के कलाकारों ने आदिवासी नृत्य की झलक दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस आयोजन में लगभग 1500 देशी-विदेशी कलाकार शिरकत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के अवसर पर पोस्टल विभाग द्वारा जारी पोस्टल स्टेम्प और लिफाफे तथा वर्ष 2021 के राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की काफी टेबल बुक का विमोचन किया। कार्यक्रम में मोजाम्बिक, रसिया और मंगोलिया के आदिवासी नर्तक दलों ने अपनी विशिष्ट शैली में मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि मनुष्य का इतिहास जितना पुराना है उतना ही पुराना नृत्य का इतिहास है। दुनियाभर के आदिवासियों की नृत्य शैली, वाद्ययंत्र में समानता है। यह अद्भुद संयोग है कि दुनियाभर के आदिवासी नृत्यों की शैली, ताल, लय में बहुत समानताएं हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि पूरी दुनिया के आदिवासियों का हृदय एक ही है। उन हृदयों के भाव एक ही हैं। उनके सपने, उनकी आशाएं और उनकी इच्छाएं एक ही हैं। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का उद्देश्य आदिम संस्कृति को बचाये रखना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की जब हम लोगों ने शुरुआत की, तब हमने यही सोचा था कि इस प्लेटफार्म के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक खूबसूरती को पूरी दुनिया तक पहुंचाएंगे। लेकिन पहला ही आयोजन इतना सफल रहा कि आज इसका फ्लक बहुत बड़ा हो गया है। कहने को तो यह राष्ट्रीय आयोजन है, लेकिन इसमें पूरे भारत के जनजातीय समुदायों के साथ-साथ दुनिया के अनेक देशों के जनजातीय समुदाय अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ का राज्य स्थापना दिवस है। आज हमारा विजय दिवस है, क्योंकि आज ही के दिन हमारे पुरखों का संघर्ष सफल हुआ था। हर बार 01 नवंबर को छत्तीसगढ़िया लोगों का दिल उल्लास से भरा होता है। उनका मन थिरक उठता है। राज्य स्थापना दिवस के साथ राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का यह स्वभाविक संगम है। मुख्यमंत्री ने भारत के सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और दुनिया भर के जनजातीय कलाकारों को धन्यवाद देते हुए कहा कि देश दुनिया के आदिवासी कलाकार हमारी खुशियों में शामिल होने आए हैं। वे हमारे साथ थिरक रहे हैं और अपनी सांस्कृतिक खूबसूरती के रंगों से हमारी संस्कृति को और भी सुंदर बना रहे हैं। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव एक दूसरे विचारों और अनुभवों का साझा करने का बड़ा अवसर भी है। हम सब एक दूसरे से सीखेंगे, जानेंगे, समझेंगे और मिलजुलकर सोचेंगे कि दुनिया को किस तरह बेहतर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी कलाकारों को विदेश में प्रस्तुति का अवसर और मंच प्रदान करने के लिए राज्य सरकार और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद नई दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हेतु सहमति बनी है जिससे आदिवासी संस्कृति के प्रसार और विनिमय का दायरा बढ़ेगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छत्तीसगढ़ के लिए आज गौरव का दिन है। आदिवासियों के सम्मान को और ऊंचाई देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें छत्तीसगढ़ की मूल संस्कृति, मूल विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए जनमत मिला था।

मुख्यमंत्री श्री बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़िया और छत्तीसगढ़ी की उन्नति के लिए बहुत बेहतर ढ़ंग से काम कर रही है। राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों, गरीबों और पिछड़ों को न्याय मिल रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने के लिए सभी को गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। पर्यटन एवं गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि पिछले चार वर्षों में राज्य सरकार गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है। अपनी संस्कृति और परम्परा संरक्षित और संवर्धित करने का काम कर रही है।

संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश घोषित कर छत्तीसगढ़ सरकार ने आदिवासियों का सम्मान बढ़ाया है और राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन कर आदिवासियों का मान बढ़ाया है। आज छत्तीसगढ़ को देश और दुनिया में नई पहचान मिली है। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने स्वागत भाषण एवं आभार प्रदर्शन संस्कृति सचिव अन्बलगन पी. ने किया।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, आदिमजाति विकास मंत्री डॉ.प्रेमसाय सिंह टेकाम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री रूद्र कुमार, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, अनेक संसदीय सचिव, विधायक, निगम मंडल के अध्यक्ष सहित ईजिप्ट के काउंसलर श्री इमेज, टोगो के माजा, हरियाणा के प्रमुख सचिव संस्कृति श्री डी. सुरेश सहित अनेक जनप्रतिनिधि और नागरिकगण उपस्थित थे।

राज्योत्सव में आरडीए उपलब्ध करा रहा नागरिक सुविधाओं के लिए आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण ने साईंस कालेज मैदान में आयोजित प्रदर्शनी के विकास और निर्माण की जानकारी के साथ स्टॉल में नागरिक सेवाओं को आसान बनाते हुए विभिन्न आवेदन पत्र उपलब्ध कराए हैं।

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री धर्मेश कुमार साहू के निर्देश पर स्टॉल में प्राधिकरण की विभिन्न संपत्तियों यथा फ्लैट्स, आवासीय व बिजनेस प्लॉट, दुकान व हॉल खरीदने के इच्छुक आवेदकों के लिए आवेदन पत्र, उत्तराधिकारी नामांतरण, हस्तांतरण, विक्रय अनापत्ति पत्र व संपत्तियों के फ्रीहोल्ड के आवेदन प्रपत्र उपलब्ध कराया गया है ताकि आवेदक इस हेतु कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकें।

रायपुर विकास प्राधिकरण ने राज्योत्सव के अपने स्टॉल में विक्रय की जा रही संपूर्ण संपत्तियां जिसमें निर्माणाधीन आवास एवं व्यवासायिक संपत्तियों सहित निर्माण गतिविधियों की जानकारी तथा फ्लैट्स व सड़क निर्माण के मॉडल भी प्रदर्शित किए हैं। स्टॉल में प्राधिकरण की विकसित योजनाओं के साथ ही पूर्ण की गई योजनाओं की भी जानकारी दी गई है। इससे पहले आज दोपहप में प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2022 की प्रदर्शनी में रायपुर विकास प्राधिकरण के स्टॉल का अवलोकन किया।

इस मौके पर लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू, नगरीय प्रशासन एवं विकास के मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री अमरजीत सिंह भगत और राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू भी उपस्थित थे।

नेहरू युवा केंद्र द्वारा चलाया महा स्वच्छता अभियान

रायपुर। नेहरू युवा केंद्र रायपुर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रचलन को रोकने के लिए जन अभियान के माध्यम से स्वच्छ भारत अभियान क्लीन इंडिया कार्यक्रम विगत 1 अक्टूबर 2022 से निरंतर चलाया जा रहा है उक्त अभियान के अंतर्गत रायपुर के सबसे महत्वपूर्ण एवं पर्यटन स्थल महादेव घाट पर नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक ग्रीन आर्मी के सदस्य इको क्लब के सदस्य स्पर्श सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थान के सदस्य द्वारा महा सफाई अभियान चलाया गया।

खास खबर

छत्तीगसढ़ में राम वन गमन पथ पर कदम-कदम आगे बढ़ती सरकार

रायपुर (ए)। छत्तीगसढ़ में सरकार अब भगवान श्रीराम के वन गमन पथ पर कदम-कदम आगे बढ़ रही है। राज्य का निर्माण हुए 22 वर्ष हो गए, परंतु गत चार वर्ष से भगवान श्रीराम के पथ को एक अलग पहचान दी जा रही है। प्रदेश में नौ चुनिंदा स्थानों को राज्य सरकार राम वन गमन पथ के रूप में विकसित कर रही है। छत्तीसगढ़ एक ऐसी पवित्र भूमि है, जहां वनवास काल में भगवान श्रीराम के चरण उत्तर में कोरिया जिले के सीतामढ़ी हरचौका से दक्षिण में सुकमा जिले के कोंटा तक पड़े। उत्तर से दक्षिण तक सात सौ किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में फैला छत्तीसगढ़ राज्य विविध प्रकार के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहरों को समेटे हुए है।

रायपुर के निकट चंदखुरी में माता कौशल्या का मंदिर है। देश में माता कौशल्या का यही एकमात्र मंदिर है। वर्तमान में प्रदेश की राजधानी तक आने वाले गणमान्यजन व पर्यटक चंदखुरी अवश्य जाते हैं। इसी मंदिर में भगवान श्रीराम की भव्य प्रतिमा का निर्माण किया गया। अगले चरण में सरकार ने रामकथा में वर्णित माता सबरी के स्थल शिवरीनारायण में श्रीराम की मूर्ति का अनावरण किया। यहां सरकार ने सबरी की मूर्ति का भी निर्माण कराया है।

मुख्यमंत्री मितान योजना में जोड़ी गई नई सेवा, 5 साल तक के बच्चों के लिए सुविधा

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों में अब बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए सेवा केंद्र नहीं जाना पड़ेगा। आधार सेवा से जुड़े लोग खुद घर आकर यह कार्ड बना देंगे। यह सुविधा मुख्यमंत्री मितान योजना के तहत दी जानी है। राज्य स्थापना दिवस एक नवम्बर से इस योजना में आधार की यह नई सेवा भी जोड़ दिया गया है। यह सुविधा केवल पांच साल तक के बच्चों के लिए उपलब्ध होगी।

अधिकारियों ने बताया, नागरिकों को आवश्यक सेवायें घर पर ही उपलब्ध कराने के लिये मुख्यमंत्री मितान योजना शुरू की गई थी। इस योजना की सफलता को देखते हुए एक नवंबर से इसमें एक और सेवा को जोड़ा जा रहा है। इस योजना के तहत अब 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार मितान के जरिए घर आकर बनाया जाएगा। टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल कर अपनी सुविधानुसार अपॉइंटमेंट बुक किया जा सकता है।

आवेदक के बताए तारीख पर मितान बच्चे का आधार पंजीकरण करने आएंगे। पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण होने के कुछ ही दिनों में बच्चे का आधार आवेदक के घर के पते पर पहुंच जाएगा। मुख्यमंत्री मितान योजना को फिलहाल प्रदेश के 14 नगर निगमों में शुरू किया गया है। बाद में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में इसे लागू किया जाना है। इस योजना में अब तक जन्म प्रमाण-पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र, विवाह प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र जैसे जरूरी सेवाएं घर बैठे मिल रही हैं।

कोरोना का भय खत्म होते ही आलीशान शादियों का दौर शुरू

रायपुर (ए)। कोरोना के भय के चलते बीते दो वर्षों से लोग कम बजट में और कम मेहमानों के साथ शादियां करने रहे थे। अब कोरोना का भय समाप्त होते ही आलीशान और थीम बेस्ड शादियों का दौर शुरू हो गया है। होटलों में पांच लाख रुपये से लेकर दो करोड़ रुपये तक के शादी के पैकेज हैं। होटल कारोबारियों से मिली जानकारी के अनुसार इन पैकेजों में मुख्य रूप से पांच सौ से एक हजार तक मेहमान शामिल रहते हैं। उसके आधार पर ही सारी तैयारियां की जाती हैं। पैकेज में ही पूरी लाइटिंग, डेकोरेशन, बरात स्वागत, पाणिग्रहण आदि सभी शामिल होते हैं।

उपभोक्ताओं के मेहमानों के ठहरने की पूरी व्यवस्था की जाती है। छत्तीसगढ़ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के संरक्षक कमलजीत सिंह होरा ने बताया कि उपभोक्ताओं द्वारा अपनी पसंद के अनुसार पैकेज लिए जा रहे हैं। इस वर्ष एक ही मुहूर्त में बहुत सी शादियां होने के कारण होटल भी पूरी तरह से बुक हैं। मेन्यू में पंजाबी, राजस्थानी, गुजराती व्यंजनों के साथ ही छत्तीसगढ़ी व्यंजन भी होने लगे शामिल होटलों व मैरिज हालों में होने वाली शादियों में लोगों द्वारा इन दिनों पंजाबी, गुजराती, राजस्थानी व्यंजनों के साथ ही छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को भी शामिल किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ी व्यंजनों में जिमीकंद की सब्जी, डुबकी कढ़ी, चिला आदि शामिल हैं।

छत्तीसगढ़िया होने का गौरव उत्सव है राज्य स्थापना दिवसः राज्यपाल

सभी जिला मुख्यालयों में छत्तीसगढ़ महतारी की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी, मुख्यमंत्री ने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य अलंकरण समारोह में शामिल हुईं। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्ष 2022 के 33 विभिन्न विधाओं में 41 राज्य अलंकरण सम्मान प्राप्तकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान किये। राज्यपाल सुश्री उइके का मुख्यमंत्री बघेल ने राजकीय गमछा भेंट कर समारोह में स्वागत किया। राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित उपस्थित अतिथियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया और नृत्य सहित अन्य प्रस्तुतियों की खूब प्रशंसा की। इस अवसर पर मंत्रिमण्डल के सभी सदस्य, नेता प्रतिपक्ष, सांसदगण, विधायकगण उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ी में राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी तथा राज्य अलंकरण सम्मान प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का शुभारंभ हुआ है। इस अवसर पर 10 देशों, 28 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से आए कलाकारों का उन्होंने छत्तीसगढ़ में स्वागत व अभिनंदन किया। राज्यपाल ने कहा कि राज्य स्थापना के इस विशेष दिन को हम अपने छत्तीसगढ़िया होने के गौरव उत्सव के रूप में मनाते हैं। छत्तीसगढ़ के स्वप्नदृष्टाओं और छत्तीसगढ़ राज्य बनाने के लिए संघर्षरत् जनता की आकांक्षाओं को पूरा कर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने जनभावनाओं को सम्मान दिया। राज्यपाल ने राज्य निर्माण का स्वप्न देखने और संघर्ष करने वाले पुरखों और समस्त महापुरूषों को भी नमन किया। राज्यपाल सुश्री उइके ने सुंदर और भव्य राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव एवं राज्योत्सव के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। राज्यपाल ने राज्य अलंकरण पुरस्कार का उल्लेख करते हुए कहा कि वास्तव में यह पुरस्कार किसी विशेष क्षेत्र में किये गए कार्य के प्रति सम्मान है। इससे उस व्यक्ति की उस क्षेत्र में एक महत्ता स्थापित होती है, मनोबल बढ़ता है, साथ ही समाज के अन्य लोगों को भी अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को 22 वर्ष हो गए हैं। छत्तीसगढ़ ने इन वर्षों में हर क्षेत्र में प्रगति की है और प्रदेश का नाम देश में अग्रणी स्थान पर है। प्रदेश में अंग्रेजी माध्यम में सुलभ शिक्षा के लिए स्वामी आत्मानंद स्कूल खोले गए हैं, जिससे निम्न आय वर्ग के बच्चों को अंग्रेजी में बेहतर शिक्षा मिलना संभव हो पाया है। हाट बाजार क्लिनिक योजना के माध्यम से सुदूर अंचलों की बसाहटों तक स्वास्थ्य सुविधाएं सहज ही उपलब्ध हो रही हैं। चलित अस्पताल लोगों के दरवाजों तक पहुंच गया है। जनजातीय आस्था के केन्द्र देवगुड़ियों के कायाकल्प का प्रयास भी सराहनीय है।

कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने स्वागत उद्बोधन दिया। पर्यटन तथा गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने भी कार्यक्रम में अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल सहित संसदीय सचिव, निगम मंडलों के अध्यक्ष, विधायक और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने सभी सम्मानित जनों की उपस्थिति के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ सहित हमारे देश में आदिवासियों की संस्कृति बहुत समृद्ध रही है - राज्यपाल

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के आयोजन की मंशा की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित हमारे देश में आदिवासियों की संस्कृति बहुत समृद्ध रही है। आदिवासी, समृद्ध संस्कृति के वाहक होने के साथ ही प्रकृति के पूजक भी रहे हैं। उनकी जीवनशैली और प्रकृति के बीच एक गहरा सामंजस्य है। आदिवासी न्यूनतम आवश्यकताओं पर जीने वाले लोग हैं। वास्तव में यह आदिवासियों की जीवनशैली का मूलमंत्र है। वे प्रकृति से उतना ही लेते हैं, जितनी उन्हें आवश्यकता होती है। तथाकथित आधुनिक समाज को कई मायनों में उनसे सीखने की जरूरत है। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि हमें राज्योत्सव के अवसर पर आत्मचिंतन भी करना चाहिए कि हम किन क्षेत्रों में पीछे रह गए हैं और उन्हें हम कैसे दूर करें। मुझे विश्वास है कि हम अपने संसाधनों का संतुलित और बेहतर उपयोग करते हुए देश के सबसे विकसित राज्यों में शामिल होंगे। उन्होंने राज्य के सभी नागरिकों से अपील की कि वे राज्य के विकास के लिए अधिक से अधिक योगदान दें।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव से वसुधैव कुटुम्बकम की संकल्पना हो रही है साकारः सीएम बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ी में अपना संबोधन दिया। उन्होंने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस, आदिवासी नृत्य महोत्सव और धान खरीदी की शुरूआत की बधाई दी। उन्होंने राज्य अलंकरण से सम्मानित विभूतियों का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के ऐसे व्यक्ति जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में परिश्रम कर विशेष उपलब्धि हासिल की, आज उन्हें सम्मान मिला है। विशिष्ट व्यक्ति का सम्मान हमें गौरवान्वित करता है और उनके व्यक्तित्व व कृतित्व से समाज को प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी जिला मुख्यालयों में छत्तीसगढ़ महतारी की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री बघेल ने राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की बढ़ती लोकप्रियता के बारे में बताते हुए कहा कि इस वर्ष 10 देशों से कलाकार महोत्सव में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में छत्तीसगढ़ एकमात्र प्रदेश है जहां राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन होता है। इस पहल के लिए विश्व स्तर पर प्रदेश की चर्चा हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे विश्व की आदिम संस्कृति में एकरूपता देखी जा सकती है। छत्तीसगढ़ में विश्व भर की संस्कृतियों को जोड़ने का काम हो रहा है, जिससे वसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना प्रदेश में साकार हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी प्रकृति का संरक्षण करते हुए जीवन व्यतीत करते हैं। वर्तमान में प्राकृतिक असंतुलन और पर्यावरण पर संकट की जो चर्चा होती है, उसे आदिम संस्कृति से प्रेरणा लेकर बचाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने आज से प्रारंभ हुई धान खरीदी की जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के 25 लाख 93 हज़ार किसानों से 1 करोड़ 10 लाख टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि हम न केवल समर्थन मूल्य पर धान ख़रीदी कर रहे हैं बल्कि मिलेट्स फसलों की ख़रीदी भी छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर की जा रही है। धान खरीदी के पहले दिन 775 उपार्जन केन्द्रों में 3951 किसानों से 10 हजार 257 मीटरिक टन धान की खरीदी की गई। किसानों ने 279 करोड़ रूपए का धान बेचा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ लघुवनोपज से समृद्ध राज्य है। हम वनवासियों को आर्थिक संबल देने के लिए सात से बढ़ाकर 65 प्रकार के लघुवनोपजों की ख़रीदी कर रहे हैं। लघु वनोपजों का वैल्यू एडिशन भी किया जा रहा है। उन्होंने भूमिहीन मजदूरों को भी 7 हज़ार प्रतिवर्ष दिये जाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वर्गों की जेब में पैसा पहुंचाने का कार्य हमने किया है, जिससे व्यवसाय और बाजार गुलज़ार है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण, गौवंश की रक्षा और जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। युवाओं को रोजगार देने और उनके आय बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क खोले जाने की जानकारी भी दी, जिससे युवा आर्थिक रूप से आत्म निर्भर हो रहे हैं।

चार माह बाद देवउठनी एकादशी पर चार नवंबर को जागेंगे भगवान विष्णु

रायपुर (ए)। चार महीने पहले 10 जुलाई को आषाढ़ शुक्ल एकादशी यानी देवशयनी एकादशी पर देवों के विश्राम करने की परंपरा निभाई गई थी। देवगणों के विश्राम पर जाने से विवाह एवं अन्य शुभ संस्कारों पर रोक लग गई थी। लगभग चार महीने बाद चार नवंबर को कार्तिक शुक्ल एकादशी पर देवों के जागने की परंपरा निभाई जाएगी। इसी के साथ शुभ कार्यों पर लगा प्रतिबंध हट जाएगा।

शालिग्राम संग रचाएंगे तुलसी का विवाह

घर-घर में तुलसी विवाह की रस्म निभाई जाएगी। भगवान विष्णु स्वरुप शालिग्राम का विवाह तुलसी से कराया जाएगा। गन्नो का मंडप सजाकर विधिवत विवाह रचाने की परंपरा निभाई जाएगी।

उदया तिथि की एकादशी पर तुलसी पूजन

हिंदू पंचांग में उदया तिथि यानी सूर्योदय पर पड़ने वाली तिथि का महत्व माना जाता है। एकादशी तिथि चूंकि तीन नवंबर को शाम 7.30 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन चार नवंबर को शाम 6.08 बजे तक रहेगी। उदया तिथि होने से चार नवंबर की शाम तुलसी पूजन किया जाएगा।

22 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने शिक्षा के क्षेत्र में लगाई ऊंची छलांग, अंग्रेजी में पढ़ाई बड़ी उपलब्धि

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ राज्य ने विगत 22 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। आधुनिकीकरण के दौर में शिक्षा में जिस तरह से नवाचार हुए हैं, राज्य भी उसके साथ कदमताल बनाए रखा। यही कारण है कि निजी स्कूलों की तर्ज पर प्रदेश में संचालित हो रहे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों का पूरे देश में डंका बज उठा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा और दूरदर्शिता से चल रहे ये विद्यालय आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

यह विकास की बयार ही है कि प्रदेश में 279 स्वामी आत्मानंद स्कूल संचालित हैं। इनमें 247 पूरी तरह से अंग्रेजी माध्यम के हैं। 76 स्कूलों में अंग्रेजी और हिंदी दोनों और 32 स्कूलों में हिंदी माध्यम की गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिल रही है। इससे पौने दो लाख विद्यार्थियों के लिए सुगम और उत्कृष्ट शिक्षा का रास्ता खुल गया है। वे धाराप्रवाह अंग्रेजी में पठन-पाठन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में सबसे ज्यादा मांग अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने की आ रही है, इसलिए आगामी वर्ष में 400 नए अंग्रेजी स्कूल खोलने की तैयारी है। सरकार नए-नए निर्णय लेकर शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही है। राज्य निर्माण के समय प्रदेश में सरकारी प्राइमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों की संख्या 29 हजार 11 थी, वहीं निजी स्कूलों की संख्या 1,677 थी। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की संख्या एक लाख आठ हजार थी और निजी स्कूलों में 11 हजार 737 थी। इस समय विद्यार्थियों की कुल संख्या 31 लाख 83 हजार 148 थी।

वर्तमान समय में प्रदेश में कुल स्कूलों की संख्या 56 हजार 494 स्कूल है। इनमें प्राइमरी में 32,766, मिडिल में 16,453, हाई स्कूल में 2,732 और हायर सेकेंडरी स्कूलों की संख्या 4,543 है, जबकि 6,430 निजी स्कूल हैं। वर्तमान में विद्यार्थियों की संख्या 60 लाख और शिक्षकों की दो लाख 65 हजार 328 है।

प्रदेश में अभी 10 हजार और शिक्षकों की भर्ती प्रस्तावित है। स्कूली विद्यार्थियों को पहले पहली से 12वीं तक की शिक्षा के लिए पांच से 50 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ती थी, जो अब घटकर एक से पांच किमी तक रह गई है। जनगणना 2011 के अनुसार, छत्तीसगढ़ में साक्षरता दर 71.04 प्रतिशत है जो जनगणना 2001 में 64.68 प्रतिशत थी, जो करीब छह प्रतिशत अधिक है।

अब कालेज भी होंगे अंग्रेजी माध्यम

प्रदेश में अब अब अंग्रेजी माध्यम के कालेज भी होंगे। राजधानी के एक कॉलेज से इसकी शुरुआत हो चुकी है। अगले वर्ष से हर जिले के एक कालेज को स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम योजना में शामिल करने का प्रस्ताव है। प्रदेश में अभी 15 शासकीय विश्वविद्यालय, 16 निजी विश्वविद्यालय, 285 शासकीय कालेज, 12 अनुदान प्राप्त निजी कालेज और 259 निजी कालेज हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

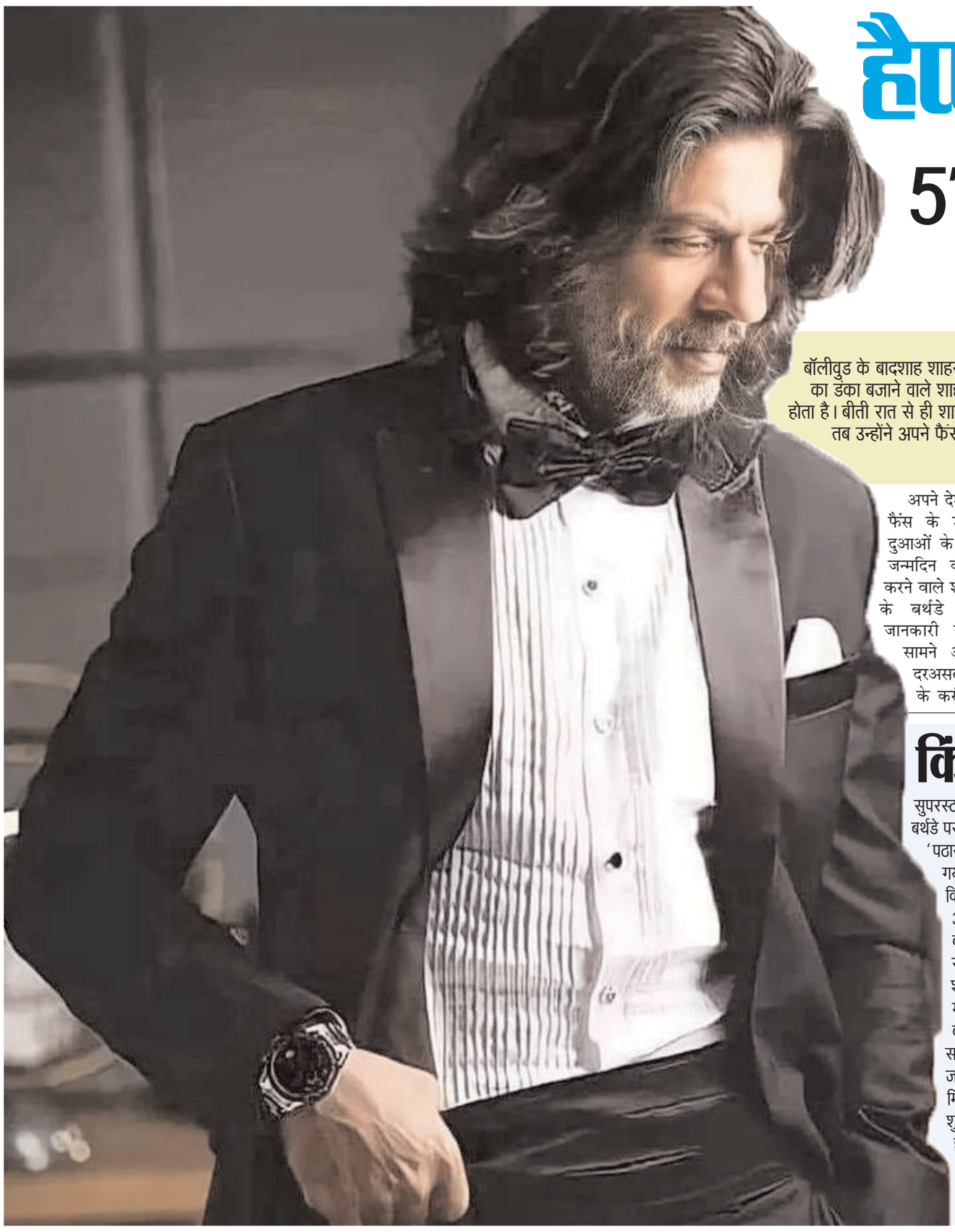

हैप्पी बर्थडे किंग खान

57वें जन्मदिन के लिए शाहरुख खान ने बनाया खास प्लान

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान आज यानी 2 नवंबर को हर साल अपना जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। पिछले 30 वर्षों से बॉलीवुड में अपने नाम का डंका बजाने वाले शाहरुख आज 57 साल के हो गए हैं। आज का दिन किंग खान के साथ-साथ उनके फैंस के लिए भी किसी त्योहार से कम नहीं होता है। बीती रात से ही शाहरुख के फैंस का हुजूम उनके घर मन्नत के बाहर उनकी एक झलक पाने के लिए इंतजार कर रहे थे। जब शाहरुख बाहर आए तब उन्होंने अपने फैंस पर खूब प्यार लुटाया था। लेकिन सबके मन में एक सवाल जरूर उठ रहा होगा कि शाहरुख अपना यह जन्मदिन कैसे मनाने का प्लान कर रहे हैं।

अपने देश-विदेश के फैंस के उत्साह और दुआओं के साथ अपने जन्मदिन की शुरुआत करने वाले शाहरुख खान के बर्थडे प्लान की जानकारी मीडिया के सामने आ गई है। दरअसल, अभिनेता के करीबी सूत्रों ने एक मीडिया संस्थान को किंग खान के बर्थडे प्लान के बारे में जानकारी दी है। लेकिन आपको जानकर मायूसी होगी कि शाहरुख इस बार अपना बर्थडे धूमधाम से सेलिब्रेट नहीं करेंगे। जहां सब लोग की दिली इच्छा थी कि किंग खान अपना बर्थडे धूमधाम से मनाएं, वहीं शाहरुख खान बहुत ही सिंपल तरीके से अपना जन्मदिन मनाएंगे। सूत्रों ने यह भी बताया था कि एक चीज बिना बदलाव के इस बार भी सेम रहेगी कि अपने बर्थडे पर शाहरुख फैंस से मुलाकात करेंगे। जी हां, शाहरुख खान ताज होटल में अपने फैंस और मीडिया से मुखातिब होंगे और उनके साथ मिलकर अपना केक भी काटेंगे। शाहरुख अपने सभी फैंस का शुक्रिया भी अदा करेंगे, जो मुश्किल समय में हमेशा उनके साथ खड़े रहे हैं। अपने बर्थडे पर फैंस से मिलने के साथ ही शाहरुख खान ने उन्हें एक और बहुत बड़ा तोहफा दिया है। शाहरुख खान ने आज अपने 57वें जन्मदिन के मौके पर अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पठान' का टीजर जारी कर दिया है। एक्शन से भरपूर टीजर इतना जबरदस्त है कि इसमें शाहरुख खान, जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण को देख आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

किंग खान के बर्थडे पर फैंस को मिला तोहफा

सुपरस्टार शाहरुख खान के 57वें बर्थडे पर उनकी मच अवेटेड फिल्म 'पठान' का टीजर रिलीज किया गया है। इस फिल्म के जरिए किंग खान लंबे गैप के बाद बॉक्स ऑफिस पर बतौर लीड एक्टर वापसी कर रहे हैं। 1 मिनट 24 सेकंड के इस टीजर में शाहरुख बेहद डिफरेंट अवतार में नजर आ रहे हैं, वहीं टीजर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलने वाला है। टीजर की शुरुआत आवाज के साथ शुरू होती है, जिसमें लोग पठान के बारे में बात करते हुए नजर आते हैं कि शाहरुख यानी पठान जिंदा भी है या नहीं, इतने में शाहरुख की दमदार एंट्री होती है। इस टीजर में किंग खान के अलावा दीपिका और जॉन की झलक भी देखने को मिली है, दोनों ही फिल्म में बेहद पावरफुल परफॉर्मेंस देते हुए नजर आ रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म 25 जनवरी 2023 को बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देने के लिए तैयार है।

असल जिंदगी में भी किंग हैं बॉलीवुड के बादशाह एक दिन में ही कमा लेते हैं करोड़ों रुपये

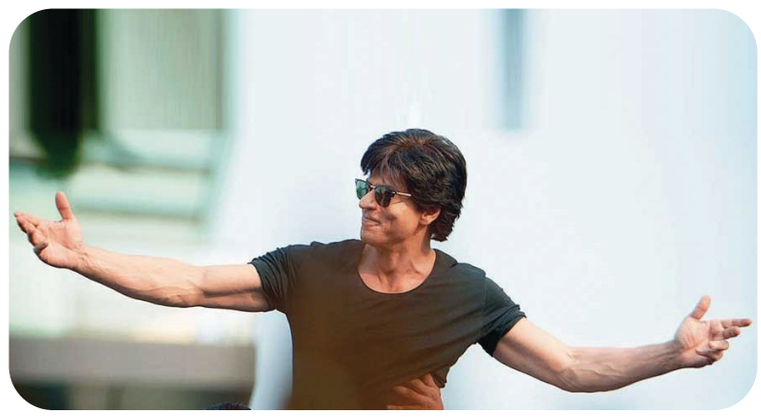

बॉलीवुड के बादशाह कहे जाने वाले अभिनेता शाहरुख खान ने बीते लंबे समय से दर्शकों का मनोरंजन किया है। अपनी शानदार एक्टिंग और दमदार किरदारों के दम पर अभिनेता इंडस्ट्री के किंग खान बन चुके हैं। बॉलीवुड के किंग ऑफ रोमांस कहे जाने वाले शाहरुख का अपना एक अलग अंदाज है, जिसे उनके फैंस बेहद पसंद करते हैं। इंडस्ट्री के किंग कहे जाने वाले शाहरुख असल जिंदगी में भी किसी किंग से कम नहीं है। कमाई के मामले में शाहरुख खान कई बड़े कलाकारों को टक्कर देते हैं। अभिनेता इस साल अपना 57वां जन्मदिन मनाने जा रहे हैं। तो चलिए अभिनेता के जन्मदिन के मौके पर जानते हैं उनकी नेटवर्थ के बारे में-

कई रिपोर्ट्स की मानें तो शाहरुख खान इंडस्ट्री के तीनों खानों में सबसे रईस हैं। रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख खान एक दिन में लगभग 1.4 करोड़ की कमाई करते हैं। अभिनेता की कुल नेटवर्थ की बात करें तो वर्तमान में शाहरुख खान लगभग 5593 करोड रुपए के मालिक हैं। फिल्मों के अलावा अभिनेता कई अन्य जगहों से भी करोड़ों की कमाई करते हैं। शाहरुख खान की खुद की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी कई फिल्मों के जरिए अभिनेता ने काफी मोटी कमाई की है। इसके अलावा वह आईपीएल की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के को-ऑनर भी हैं। देश में करोड़ों की कमाई करने वाले शाहरुख खान के पास मुंबई के अलावा दुबई में भी कई प्रॉपर्टीज हैं। वहीं, बात करें अभिनेता के घर मन्नत की तो अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर शाहरुख खान का यह बंगला भी करोड़ों का है। रिपोर्ट्स की मानें तो इस घर की कीमत करीब 200 करोड़ रुपए है। इसके अलावा शाहरुख खान दिल्ली में एक घर और दुबई में एक विला के मालिक हैं। इन सबके अलावा एक्टर घड़ियों और गाड़ियों के भी काफी शौकीन हैं। शाहरुख खान के कार कलेक्शन की बात करें तो उनके पास बुगाटी, वेरॉन, बीएमडब्ल्यू 6 सीरीज, मित्सुबिसी पजेरो, बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज, ऑडी ए6, लैंड क्रूजर, रोल्स रॉयस ड्रॉप हेड कूप जैसी लग्जरी गाड़ियां हैं। फिल्मों और अपनी कंपनी के अलावा अभिनेता कई कमर्शियल के जरिए भी मोटी कमाई करते हैं। बीते कई सालों से पेप्सी, व्हर्लपूल, नोकिया, हुंडई, डिश टीवी, बायजूस, बिग बास्केट जैसे ब्रांड का चेहरा रहे अभिनेता एक विज्ञापन के शूट के लिए प्रतिदिन करीब 3.5 से चार करोड़ रुपए चार्ज करते हैं। इतना ही नहीं शादियों में शिरकत करने के लिए अभिनेता मोटी रकम लेते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शादी में अपनी परफॉर्मेंस के लिए एक्टर लगभग 8 करोड़ रुपए चार्ज करते हैं तो वहीं सिर्फ उपस्थित होने के लिए शाहरुख लगभग 15 हजार डॉलर तक वसूलते हैं।

आमना शरीफ ने हॉट वर्कआउट तस्वीरें शेयर करके उड़ाई फैंस की नींद

टीवी की बोल्ड और खूबसूरत एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने फैंस के दिलों पर दीवानगी इस कदर छाई हुई है कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं तो फैंस की नजरें उन पर से हट पाना मुश्किल हो जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसे देख कर एक बार फिर से नेटिजंस का दिलों की धड़कने तेज हो गई हैं। टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट का पारा हाई करने में लगी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने वर्कआउट सेसशन के बाद फोटोज क्लिक करवाई हैं। एक्ट्रेस ने पिंक कलर की स्पोर्ट्स ब्रा और साथ ही टाइट फिटेड पैंट पहना हुआ है। एक्ट्रेस आमना शरीफ अपनी फिटनेस और बोल्ड लुक्स से फैंस को अपना कायल कर देती हैं। ओपन और नो मेकअप लुक में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने किलर पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवाया है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

अल्लू अर्जुन ने शुरू की फिल्म पुष्पा 2 की शूटिंग, सेट से सामने आई तस्वीर

दक्षिण भारतीय अभिनेता अल्लू अर्जुन को पुष्पा ने देशभर में लोकप्रिय बना दिया। फिल्म के डायलॉग आज भी लोगों की जुबां पर हैं। अब फिल्म की दूसरी किस्त पुष्पा 2 को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। अल्लू ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म के सेट से अल्लू की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी है। इसमें अभिनेता सफेद टी-शर्ट में पोज देते हुए दिखे हैं।

पुष्पा 2 के सिनेमैटोग्राफर मिरोस्लाव कुबा ब्रोजेक ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक तस्वीर शेयर करते हुए फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, रोमांच शुरू हो गया है। आइकॉन स्टार को धन्यवाद। मूवी। पुष्पा। अल्लू अर्जुन। शेयर किए गए तस्वीर में ब्रोजेक अल्लू को कुछ समझाते हुए नजर आए हैं। वहीं, अल्लू ध्यान से उनकी बात सुनते हुए दिखे।

बता दें कि अगस्त में इस फिल्म का मुहूर्त शॉट फिल्माया गया था। मुहूर्त शॉट के दौरान एक पूजा का कार्यक्रम रखा गया था। मशहूर समीक्षक तरण आदर्श ने इस इवेंट की कई तस्वीरें शेयर की थीं। मुहूर्त शॉट के कार्यक्रम के दौरान फिल्म की पूरी टीम नजर आई थी। इस कार्यक्रम में फिल्म के निर्देशक सुकुमार ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। अब फिल्म की शूटिंग शुरू होने की खबर मिलने पर फैंस बेहद उत्साहित हैं।

खबरों की मानें तो पहले भाग से पुष्पा 2 का बजट बड़ा होगा। फिल्म के निर्माण की लागत ही करीब 200 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी।

ईश्वर्या मेनन ने ईरोड में अपने पुराने स्कूल का दौरा किया

अभिनेत्री ईश्वर्या मेनन, जो तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योगों में तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रही हैं, ने उस स्कूल की यात्रा का विवरण साझा किया है जिसमें उन्होंने पढ़ाई की थी। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने एक पोस्ट लिखा जिसका शीर्षक था, 'एक और कुट्टी कहानी।'

अभिनेत्री ने कहा, मैं ईरोड, तमिलनाडु में पैदा हुई थी। मेरी पूरी स्कूली शिक्षा इरोड में हुई थी। 11वीं और 12वीं, मैंने अपनी स्कूली शिक्षा वेल्लार मैट्रिकुलेशन स्कूल में की।

12वीं कक्षा के बाद, मैं अपने स्कूल नहीं गई थी। और कल, मैं स्कूल के अपनी सबसे अच्छे दोस्त, मधु के साथ वर्षों बाद उनसे मिलने गई। यह काफी खुशी भरे पल थे।

जिन शिक्षकों ने मुझे पढ़ाया उनसे मिली मैं, उनको मुझ पर गर्व था और बच्चे पूरी तरह से पागल हो गए थे! इस तरह के क्षण वे क्षण हैं जिनके लिए मैं भगवार की आभारी हूं, विनम्र और शब्दों से परे आभारी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

खास खबर

रंगोली में बिखरी छत्तीसगढ़ की अनोखी संस्कृति की छटा

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ राज्य के 22वें स्थापना दिवस राज्योत्सव पर जिले के प्रत्येक जनपद पंचायत एवं नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत व निकाय में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव एवं छत्तीसगढ़ की संस्कृति थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलेभर में खूबसुरत रंगबिरंगे रंगोली की छटा बिखरी। नागरिकों ने रंगोली प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और एक से बढ़कर एक खूबसुरत रंगोली में छत्तीसगढ़ की संस्कृति पर आधारित चित्र उकेरे। कलेक्टर डोमन सिंह की पहल पर राज्योत्सव में उल्लास के माहौल में जिलेवासियों ने रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया। कलेक्टर ने रंगोली प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए जिला स्तरीय निर्णायक समिति का गठन किया है।

जिले में धान खरीदी का शुभारंभ खेलसाय सिंह एवं पारसनाथ राजवाड़े ने किया शुभारंभ

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा के मार्गदर्शन में जिले की सभी 47 समितियों के 50 उपार्जन केंद्रों में चाक चौबंद व्यवस्था के साथ हुआ। सभी खरीदी केंद्रों में धान खरीदी की आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। जिले के सभी खरीदी केंद्रों में जन प्रतिनिधियों और क्षेत्र के किसान सदस्यों की उपस्थिति में धान खरीदी की औपचारिक शुरुआत हो गयी। यह धान खरीदी 01 नवम्बर 2022 से लेकर 31 जनवरी 2023 तक चलेगी। समिति रामानुजनगर, उमापुर, छिंदिया, गनेशपुर, देवनगर, कृष्णपुर, काँटारोली, कंचनपुर में सरगुजा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं विधायक प्रेमनगर खेलसाय सिंह तथा जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री नरेश राजवाड़े द्वारा धान खरीदी का शुभारंभ किया गया। वहीं समिति बतरा में संसदीय सचिव एवम विधायक भटगांव श्री पारसनाथ राजवाड़े द्वारा धान खरीदी की शुरुआत की गई।मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुरूप जिले के सभी खरीदी केंद्रों में 01 नवम्बर को किसानों की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सभी किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले धान की बिक्री के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

छत्तीसगढ़ का पहला छत्तीसगढ़ी बोली भाषा का सुपर टीवी का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के राज्य स्थापना दिवस के शुभ दिन छत्तीसगढ़ का पहला इंटरटेनमेंट सेटेलाईट चैनल सुपर टीवी का शुभारंभ प्रियदर्शिनी नगर पश्चिम नेहरू नगर में हुआ। इसका शुभारंभ सुपर टीवी चैनल के डायरेक्टर अभिषेक सिंह ने चैनल के अन्य डॉयरेक्टर ऑफ बॉडी के संजय लाल, आलेख चौधरी, राजन प्रभाकर, दीपक दुबे, राहुल पाटिल, अरविंद सोनी के उपस्थिति में किया।

इस दौरान छत्तीसगढी और भोजपूरी फिल्मों के प्रसिद्ध निर्देशक एवं सुपर टीवी चैनल के डायरेक्टर अभिषेक सिंह ने इस दौरान संवाददाताओं से चर्चा करते हुए बताया कि अब इस छत्तीसगढी इंटरटेनमेंट चैनल सुपर टीवी को प्रदेश के सभी केबल नेटवर्क पर देख सकेंगे। इसके अलावा दो तीन माह बाद इसे टाटा स्काई, एयरटेल और जीओ पर भी इसका प्रसारण प्रारंभ हो जायेगा।

एक प्रश्न का उत्तर देते हुए श्री सिंह ने बताया कि इससे पहले लगातार मुंबई में मैं 12 साल तक स्टार प्लस, जीटीवी, सोनी, कलर्स, लाईफ ओके में अलग अलग शो के डायरेक्टर के रूप में कार्य कर चुका हूं,इसलिए चैनल प्रारंभ करने और उसके संचालन के बारे में मुझे पूरी जानकारी है। मेरा वही अनुभव इस सुपर टीवी चैनल के संचालन में काम आयेगा। अभिषेक ने एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि हमारा चैनल शुभारंभ करने का प्रमुख उद्देश्य है कि छत्तीसगढ के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समूचे देशवासियों के सामने पेश करना है तथा प्रदेश के कलाकारों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान एवं रोजगार दिलाना है। इस दौरान डायेक्टर ऑफ बॉडी के संजयलाल और राजन प्रभाकर ने बताया कि छत्तीसगढ में छत्तीसगढी भाषा और बोली का अपना कोई इंटरटेनमेंट का सेटेलाईट चैनल नही था। इसकी कमी छत्तीसगढ के लोग महसूस कर रहे थे। छत्तीसगढी भाषा में बनने वाली बहुत सी फिल्में, टीवी सीरियल, बेबसीरीज के अलावा हर प्रकार का मनोरंजक चीजें लोग देखना चाह रहे थे लेकिन छत्तीसगढ़ी भाषा बोली का अपना कोई चैनल नही होने से ये सब देखने से वंचित हो रहे थे। इसलिए हमने इस चैनल की शुरूआत की है। वही दीपक दुबे राहुल पाटिल ने कहा कि जिस प्रकार हिन्दी फिल्मों और भोजपूरी तथा साउथ और बंगला भाषा और बोली का चैनल है और वहां की फिल्में, लोकसंस्कृति घर घर पहुंच रही है, उसी प्रकार सुपर टीवी चैनल के शुरू होने से जहां एक ओर छत्तीसगढी भाषा बोली और लोकसंस्कृति घर घर तक तो पहुंचेगी ही इसके अलावा छतीसगढी में बनी नई पुरानी फ्चर फिल्मे, टीवी सीरियल, वेबसीरीज, छत्तीसगढी गाने सहित सभी प्रकार के मनोरंजन की चीजों यहां की आमजनता तक पहुंचेगी। अरविंद सोनी और आलेख चौधरी ने बताया कि सुपर टीवी चैनल शुरू होने से यहां के फिल्मों सहित सभी प्रकार के कलाकारों को भी रोजगार मिलने के साथ आम जनता के बीच उनकी एक अलग पहचान बनेगी। चैनल के डायरेक्टर अभिषेक सिंह ने आगे बताया कि हमारी बोली भाषा का चैनल सुपर टीवी में मनोरंजन के सारे आयाम मौजूद रहेंगे जैसे बॉयोस्कोप जिमसें नई पुरानी छत्तीसगढी फिल्में, छॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक त्रिलोक तिवारी के निर्देशन में बन रही छत्तीसगढी टीवी सीरीयल मया जनम जनम के, बेहतरीन छत्तीसगढी गानों का गुलदस्ता, रंगझाझर, रोज का राशिफल, अलग अलग फिल्मों के मनोरंजक सीनों से सधी वाह क्या सीन है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर भिलाई निगम कर रहा है तत्परता से अमल

कई सड़कों के मरम्मत एवं संधारण का कार्य प्रारंभ, तेज गति से होगा इस पर काम

भिलाई की सड़कों को चकाचक करने के लिए विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल ने पूजा कर शुरू कराया काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के निर्देश पर भिलाई निगम तत्परता से इस पर अमल कर रहा है। सड़कों को सुधारने की दिशा में मिले निर्देश के बाद से भिलाई की सड़कों का संधारण एवं मरम्मत कार्य किया जा रहा है। भिलाई की कई सड़कों के मरम्मत एवं संधारण के लिए आज भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल ने खुर्सीपार के सुभाष चौक में पूजा अर्चना कर कार्य को शुरू कराया।

इस दौरान निगमायुक्त रोहित व्यास विशेष रूप से मौजूद रहे और उन्होंने सड़कों की सुधार की दिशा में गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए तेज गति से कार्य कराने अधिकारियों को मौके पर निर्देश दिए। अब हिचकोले खाते हुए गड्ढों से राहगीरों को निजात मिलेगा, भिलाई की बहुत सी सड़कें दुरुस्त की जाएंगी। प्रारंभिक रूप से सड़कों के मरम्मत एवं संधारण के लिए भिलाई के सात प्रमुख सड़कों का चयन किया गया है, जिसकी शुरुआत आज हुई है।

सड़कों के संधारण एवं मरम्मत की दिशा में भिलाई निगम ने त्वरित कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। विगत दिन ही महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने सड़क मरम्मत एवं संधारण के कार्य का निरीक्षण किया था। सड़कों के मरम्मत एवं संधारण के लिए विभागीय प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद सड़कों को ठीक करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। सड़कों को सुधारने की दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य किया जाएगा। बारिश की वजह से कई सड़कों के कार्य अधूरे रह गए थे उन्हें भी पूर्ण किया जाएगा। सड़कों को ठीक करने के लिए निगम प्रशासन गंभीर है और इस दिशा में निगम कार्य कर रहा है। सड़कों के गड्ढे को भरने के लिए निगम ने सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया था, जिसके बाद से अधिकतम संसाधनों के माध्यम से सड़क रिपेयर का काम किया जा रहा है। आज विधायक, महापौर एवं आयुक्त ने खुर्सीपार क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए कई स्थानों का निरीक्षण भी किया। संयुक्त निरीक्षण के दौरान, सुभाष चौक स्थित मैदान, नवीन कॉलेज भवन स्थित मैदान, मदर्स मार्केट, आईटीआई खेल मैदान, डबरा पारा स्थित स्टेडियम तथा गौतम नगर स्थित परिसर का निरीक्षण करते हुए इसके विकास के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार करने पर चर्चा की गई। इस दौरान अपर अशोक द्विवेदी, खुर्सीपार के जोन अध्यक्ष भूपेंद्र यादव, विधायक प्रतिनिधि डी.कॉम राजू, ब्लॉक अध्यक्ष तुलसी पटेल, पार्षद एम. लक्ष्मी गोपाल, जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, कार्यपालन अभियंता संजय बागड़े, सहायक अभियंता अखिलेश चंद्राकर एवं चंद्रकांत साहू आदि मौजूद रहे।

भाजपा पूरब मंडल ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस को गौरव दिवस के रूप में मनाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के पूरोधा एवं पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी को नमन किया गया।

जिन के सहयोग से छत्तीसगढ़ पृथक रूप से अलग राज्य बना कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य वीरेंद्र कुमार साहू, युवा मोर्चा अध्यक्ष शरद सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एनजीओ प्रकोष्ठ दिनेश सिंह, जिला मंत्री मंजूषा साहू, जिला महिला कोषाध्यक्ष श्रीमती ज्योति मिश्रा, पूरब मंडल अध्यक्ष रणजीत सिंह, मंडल महामंत्री कबीर साहू, मंडल उपाध्यक्ष बहन ज्योति शर्मा, संजय दुबे, राम नारायण सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गजानंद बंछोर, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अयोध्या प्रसाद देशलहरा, महिला मोर्चा मंडल प्रभारी योजना डहाके, महिला मोर्चा अध्यक्ष हेमलता साहू, ज्योति सोनी, ए- रजनी, सुपेला मंडल महामंत्री अखिलेश वर्मा, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष ओंकार सिंह, तोमेश सेन, थान सिंह तोमर, लालमन यादव, सविता साहू, अजय प्रकाश डाहरे एवं अन्य सदस्यगण शामिल थे।

10 वर्षो के बाद बना सामुदायिक भवन, वार्ड की जनता से विधायक ने कराया लोकार्पण

प्रियदर्शनी मार्केट में लगेगा वाटर एटीएम, भेंटमुलाकात के दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की पहल से प्रियदर्शनीय मार्केट में वाटर एटीएम लगाया जाएगा। 1 नवम्बर को भिलाई नगरविधायक देवेंद्र यादव वार्ड 46 दुर्गा मंदिर वार्ड पहुंचे। जहां उन्होंने वार्डवासियों के साथ में भेंट मुलाकात की। लोगों से मिले उनका हाल चाल जाना और राज्यउत्सव की बधाई दी।

इस अवसर पर उन्होंने वार्ड के नागरिकों के साथ मिलकर वार्ड दौरा भी किया। वार्ड केनागरिकों के साथ मिलकर वार्ड में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। साथ ही जनता की मांग पर राज्यउत्सव के अवसर पर वार्डवासियों को कई सौगात भी

दी। भेंट मुलाकात के दौरान वार्ड के नागरिकों ने बताया कि प्रियदर्शनी मार्केट में पानी की समस्या है।

यहां रोज सैकड़ों लोगों आते जाते हैं। जनता की समस्याओं को देखते हुए विधायक श्री यादव ने पूरी समस्याओ को जाना और समझा और घोषणा की है कि यहां अत्याधुनिक वाटर एटीएम लगाया जाएगा। जिससे लोगों को शुद्ध पानी मिलेगा। लोगों को यहां के व्यापारी को पानी की समस्या नहीं होगी। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र यादव के साथ में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तुलसी पटेल, वार्ड पार्षद के जगदीश, विधायक प्रतिनिधि डी काम राजू, एम गोपाल, अय्यूब मंसूरी, शंकर राव एवम वार्डवासी उपस्थित थे ।

संतोषी माता मंदिर का होगा जीर्णोद्धार

विधायक देवेंद्र यादव वार्डवासियों के साथ मिलकर वार्डदौरा किए। इस दौरान वे वार्ड का निरीक्षण करते हुए मां संतोषी के मंदिर पहुंचे। जहां माता को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। वार्डवासियों ने बताया कि वर्षों पुरानी यह माता की मंदिर की स्थिति खराब है। मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए विधायक देवेंद्र यादव ने घोषणा की और कहा कि मंदिर को भव्य रूप से बनाया जाएगा। विधायक निधि वे बजट देंगे।

पशुपतिनाथ शिव मंदिर में लगेगा रेलिंग

विधायक देवेंद्र यादव से वार्डवासियों ने मांग की कि दुर्गा मंदिर क्षेत्र का सौंदर्यीकरण और विकास कार्य किया जाए। इस पर विधायक देवेंद्र यादव ने टाइल्स रेलिंग आदि का काम कराने की घोषणा की। इसी प्रकार नाला किनारे बृक वर्क का कार्य, प्रकाश व्यवस्था की घोषणा की। इसी प्रकार पुशपतिनाथ शिवमंदिर में भी विकास कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार शर्मा आश्रम के पास पानी की समस्या दूर करने बोर खनन करने की भी घोषणा किए है।

भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में राज्य स्थापना दिवस पर की गई छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य की 22वी स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना कर, बड़ी संख्या में दीप प्रज्वलन कर जयघोष उपरान्त छत्तीसगढ़ महतारी की आरती उतारी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई जिला भाजपा अध्यक्ष बृजेश बिचपुरिया उपस्थित रहे!

अमित मिश्रा युवा मोर्चा नेता के नेतृत्व में कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। अन्य कार्यकर्ताओं में भाजपा सुपेला मंडल महामंत्री तुगेंद्र सिंह संजू, मंडल मंत्री रूपराम साहू, शिवनारायण गुप्ता, प्रदीप पांडेय, जयंत शर्मा, बीपी पाल, अजहर भाई, चंदन यादव, प्रवीण, मोहनीश काले, राजेश यादव, संतोष मिश्रा, राहुल साहू, नंदन यादव, सूरज यादव, विष्णु पाल, राजू सिंह, लक्ष्मण प्रसाद, छोटू साहू, रमेश कुमार, अंजनेश चौधरी, अजितेश दुबे, रागिनी साहू, मोना साहू, अंजना यादव, कामिनी, शिल्पा, दीपा, सोनू सेन, अवधेश गुप्ता, गजानंद देवांगन सहित अन्य नागरीकगण उपस्थित रहे।

मां अन्नपूर्णा की अराधना कर धान खरीदी महाभियान का किया शुभारंभ

गरियाबंद। गरियाबंद जिला मुख्यालय में मंडी अध्यक्ष ओम राठौर और सोहागपुर सहकारी समिति में काँग्रेस ब्लाक अध्यक्ष हाफिज खान ने मां अन्नपूर्णा की अराधना कर सोमवार को धान खरीदी महाभियान का शुभारंभ किया। राज्योत्सव के साथ ही आज से प्रदेश के पंजीकृत किसानों से धान खरीदी शुरू हो गयी है।एक नवम्बर से शुरू हुए धान खरीदी के महाभियान पर किसानों और प्रदेशवासियों को जिला प्रशासन द्वारा शुभकामनाएं दिये। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से प्रदेश में खेती-किसानी में नये उत्साह का संचार हुआ है।

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

गुजरात राजस्थानी थाली
पार्सल सुविधा
स्वाद घर का.....
राजस्थानी पारंपरिक व्यंजनों की स्वाद का आनंद लें
घड़ी चौक के सामने, गौरी लॉज के नीचे, सुपेला, भिलाई
संतोष शर्मा : 9649604367 देवीलाल शर्मा : 9783391314 प्रतीक दवे : 9752525050

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

बैंक का ताला तोड़कर एलईडी टीवी चुरा ले गए चोर

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले में चोरी की एक अजीबो-गरीब वारदात सामने आई है। बैंक के बिल्डिंग के नीचे पुलिस गश्त कर रही थी दूसरी ओर चोर बैंक का ताला तोड़कर वहां से दो एलईडी टीवी चुरा कर ले गए। घटना जिले के बलौदा में रविवार-सोमवार की रात की है। एक ओर बैंक के नीचे पुलिस गश्त करती रही और ऊपर चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इससे पुलिस की गश्त की पोल खुल गई। घटना बलौदा के हृदय स्थल गांधी चौक पर स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पास कांप्लेक्स की है।

सीसीटीवी में कैद हुए दोनों चोरदरअसल, कांप्लेक्स के ऊपर में बैंक संचालित है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात को पुलिस वहीं पर नीचे में गश्त करती रही और ऊपर में चोर घुस गए। बैंक में सभी तरफघूम-घूमकर लॉकर को ढूंढ रहे थे। लॉकर को तोडऩे पर नाकाम रहे। इसके बाद चोरों ने बैंक में लगे दो एलईडी टीवी को पार कर दिया। पुलिस को इस बात की भनत तक नहीं लगी। सुबह जब बैंक खुला तब बैंक कर्मचारियों ने थाने में सूचना दी। रिपोर्ट के बाद पुलिस ने बैंक में जाकर सीसीटीवी कैमरा को देखा। जिसमें साफ-साफ दो लड़के दिखाई दे रहे हैं और नीचे में लगे सीसीटीवी कैमरा में पुलिस भी गश्त कर रही थी, वह भी दिखाई दे रहा है। बलौदा पुलिस ने चोरों की खोजबीन शुरू कर दी है।

बास कंपनी के नकली सामान बेचने वाला व्यवसायी पकड़ा गया

बिलासपुर (ए)। सिविल लाइन पुलिस ने मोटरसाइकिल के नकली पार्ट्स और आइल बेचने के आरोपित को पकड़ा है। उसके कब्जे से नकली स्पार्क प्लग और आइल जब्त कर कापीराइट एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 132 एक्सप्रेस ट्रेड टावर में रहने वाले पौषिक विश्वास (25) वीएंडजे एसोसिएट में जांच अधिकारी हैं। उनकी कंपनी बोस कंपनी के उत्पादों के नाम से बेचे जाने वाले नकली सामान की जांच करती है। कंपनी के अधिकारियों को सूचना मिली कि बिलासपुर में कंपनी से मिलते जुलते नाम से नकली सामान बेचा जा रहा है। इस पर जांच अधिकारी ने शहर में आकर इसकी तस्दीक की। इसके बाद मामले की शिकायत सिविल लाइन थाने में की। कंपनी के अधिकारी के बताए मुताबिक सिविल लाइन पुलिस ने राजीव गांधी चौक के पास स्थित विशाल आटो पार्ट्स में दबिश दी।

स्टेट बैंक के सामने बाइक की डिक्की से ढाई लाख पार, कैमरे में कैद हुए चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गंजपारा दुर्ग स्थित एसबीआई के सामने मंगलवार दोपहर को बाइक की डिक्की से ढाई लाख रुपए पार हो गए। पीडित शख्स की शिकायत पर पुलिस तत्काल हरकत में आई। सीसी टीवी फुटेज देखकर आरोपी की पहचान की गई। इस पूरे घटनाक्रम का दुर्ग पुलिस सीसी टीवी फुटेज भी जारी किया और एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने लोगों से अपील कर इस तरह की घटनाओं में सावधानी बरतने कहा।

मिली जानकारी के अनुसार गंजपारा निवासी मोहम्मद नसीम पिता मो सलीम (42) मंगलवार को स्टेट बैंक से ढाई लाख रुपए निकाल कर बाहर निकला और बाइक की डिक्की में डाल दिए। इस दौरान एक व्यक्ति पहुंचा और उससे कहा कि पीछे तुम्हारे रुपए गिर गए हैं उठा लें। बिना कुछ सोचे नसीम पैसे उठाने लगा और इस बीच उसकी डिक्की से दो लाख 70 हजार रुपए पार हो गए। घटना करीबन 1:30 बजे निरंकारी फर्नीचर के पास स्थित स्टेट बैंक की है।

इसके बाद नसीम ने इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने सतर्कता दिखाई और पहले सीसी फुटेज चेक किए जिसमें चोरी करते शख्स कैद हो गया। इसके बाद पुलिस ने चोरों की पहचान कर ली है। एक का नाम मल्लिकार्जुन पितला बताया जा रहा है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना के बाद एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने अपील जारी करते हुए कहा कि बैंक से पैसे निकालने के बाद सावधानी रखे और अपने पैसे ही सुरक्षा करें। इस प्रकार किसी की अज्ञात की बातों में न आए।

पत्नी ने ससुराल जाने से मना किया तो सनकी पति ने ससुर को धमकाने भेजे गुंडे, दो आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा। पत्नी को घर नहीं भेजने पर एक पति इस कदर गुस्से में आ गया कि उसने अपने ससुराल में गुंडे भेजकर ससुर को जमकर धमकाया। गुंडे ससुर को जान से मारने की धमकी देने लगे जिसके बाद घबराए हुए ससुर ने इस मामले की शिकायत थाने में की। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और वहीं तीन आरोपी फरार है। यह घटना कबीरधाम जिले के दामापुर चौकी क्षेत्र की है।

यह है पूरा मामलादामापुर चौकी में ग्राम कोदवा के पीड़ित दशरु उर्फ महावीर साहू(53) ने एक रिपोर्ट दर्ज कराया कि 29 अक्टूबर की रात्रि करीब 7 बजे घर में था। उसी समय घर के पास 4 आदमी कार सीजी 08 एएस 7287 में आए। घर में अंदर घुसकर तुम्ही दशरु साहू हो बोलकर धमकाने लगे। तुम अपनी बेटी को उसके पति के घर क्यों नहीं भेजते हो। अभी तुरंत भेजो नहीं तो जान से मार देंगे बोलकर धमकी देने लगे। आप लोग कौन हो पूछा तो वे सभी बताए कि हमें देवा साहू कवर्धा वाले ने धमकाने भेजा है। गुंडों की हरकत देखकर लड़की के पिता के चिल्लाने पर कुछ गांव वाले एकत्रित हो गए जिसके बाद चारों गुंडे वहां से भाग गए। कार दुर्घटना की जांच के दौरान पकड़े गए आरोपीचौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रघुवंश पाटिल ने बताया कि घटना की थोड़ी देर बाद ग्राम अमलीमालगी में एक कार रोड में क्षतिग्रस्त हालात में मिली। जिसकी जांच की गई तो पता चला कि चारों आरोपी इसी कार में सवार होकर ससुर को धमकाने के लिए पहुंचे थे। कार चालक हेमलाल साहू ने बताया कि खिलेश पांडया, पवन कंवर और आदर्श बघेल प्रभातनगर लालबाग थाना बसंतपुर राजनांदगांव को 29अक्टूबर को वह कवर्धा ले गया था। जिसके बाद चारों आरोपी के घर में दबिश दी गई। हेमलाल साहू व पवन कंवर मिले जिसे हिरासत में लेकर बारीकी से पूछताछ की गई तो पूरा मामला सामने आ गया। पुलिस ने बताया कि कवर्धा निवासी आरोपी दामाद देवा साहू ने अपने ससुराल में हमें भेजकर ससुर को धमकाने भेजा था ताकि पत्नी जल्द मायके आ जाए।

रात को लूट और अगले दिन आरोपी गिरफ्तार

सड़क पर टहल रहे बुजुर्ग का मोबाइल छीनकर भागा था बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रात को खाना खाने के बाद टहल रहे बुजुर्ग लूट का शिकार हो गया। अज्ञात बाइक सवार बदमाश ने बुजुर्ग के पास पहुंचकर हाथ मोबाइल छीना और भाग गया। घटना के बाद बुजर्ग ने थाने पहुंचकर इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के चंद घटों बाद आरोपी पकड़ाया। पुलिस ने इस मामले में कैंप 1 निवासी इमरान खान को गिरफ्तार कर उसके पास से सैमसंग गैलेक्सी 21 व घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल बजाज पल्सर बरामद किया है। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार सेक्टर 09 सड़क 30 निवासी जले सिंह (65) सोमवार की रात करीबन 9.45 बजे घर के पास टहलते हुए मोबाईल से बात कर रहा था। इस दौरान बाइक पर सवार कैंप एक निवासी इमरान खान पहुंचा और इससे पहले की बुजुर्ग कुछ समझ पाता मोबाइल छीनकर फरार हो गया। जेल सिंह ने इसकी शिकायत भिलाई नगर थाने में पहुंचकर की। शिकायत के बाद पुलिस एक्टिव हुई और जल्द ही आरोपी तक पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी इमरान खान को कैंप-1 से गिरफ्तार कर मोबाइल बरामद कर लिया है।

इंजीनियर की आत्महत्या के मामले में कांग्रेस पार्षद समेत तीन गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने इंजीनियर की आत्महत्या के मामले में भोपाल में दबिश देकर कांग्रेस पार्षद, ग्राम पंचायत हांफा के सरपंच और उनके साथी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंजीनियर ने सुसाइड नोट में तीनों द्वारा प्रताड़ित करने की बात लिखी थी। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए एसपी पार्ल्स माथुर ने स्पेशल टीम का गठन किया था। सकरी क्षेत्र स्थित आसमां सिटी में रहने वाले ऋषभ निगम इंजीनियर थे। वे सकरी क्षेत्र में इलेक्ट्रानिक सामान की दुकान चलाते थे। व्यवसाय में घाटा होने पर उन्होंने सकरी के पार्षद अमित भारते, हांफा के सरपंच संदीप मिश्रा व व्यवसायी जितेंद्र मिश्रा निवासी शुभम विहार से करीब 15 लाख रुपए उधार लिए थे। तीनों ब्याज के रूप में हर महीने करीब एक लाख 90 हजार रुपए वसूल करने लगे।

गाय काटकर मांस निकालते दो ग्रामीण गिरफ्तार, गुस्साए लोगों ने अर्धनग्न कर आरोपियों का निकाला जुलूस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में गोहत्या थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिलासपुर में गाय को काटकर उसका मांस निकलते हुए दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से लगभग 33 किलो गोमांस जब्त किया गया है। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र के रहंगी में हाईकोर्ट जज कॉलोनी के पीछे की है। जहां दो व्यक्ति गाय को काटकर उसका मांस निकाल रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही कुछ युवक वहां पहुंच गए और आरोपियों को रंगे हाथ दबोच लिया।

चकरभाठा के वार्ड क्रमांक चार में रहने वाले कुछ युवकों को पता चला कि रहंगी में हाईकोर्ट जज कॉलोनी के पीछे गाय को काट कर मांस निकाला जा रहा है। इसकी जानकारी मिलते ही युवक वहां पहुंच गए। इस दौरान मोपेड सवार दो लोग बोरी में मांस लेकर जा रहे थे, जिन्हें युवकों ने पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि रहंगी निवासी नरसिंह रोहिदास (50) और मुढ़ीपार निवासी रामनिवासी मेहर(52) गोमांस काटकर बोरी में भरकर ले जा रहे थे। दोनों आरोपी को युवकों ने पकड़ लिया और गांव ले जाकर अर्धनग्न करके उनका जुलूस निकाला। गाय काटने की जानकारी मिलने पर ग्रामीण भी भड़क गए। जिसके बाद जमकर हंगामा हुआ।

पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस ने ग्रामीणों की भीड़ को समझाइश देकर शांत कराया और वैधानिक कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। गांव के सुमित नायक ने थाने में केस दर्ज कराया। इस दौरान पुलिस ने भी दोनों ग्रामीणों से पूछताछ की, तब उन्होंने गो मांस काटने की जानकारी दी। पुलिस ने उनके पास से जब्त गोमांस को वेटनरी डॉक्टर से परीक्षण कराया। दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/दो/सं.वि./2022/3323/209 भिलाई, दिनांक 28/10/2022

// नामांतरण सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले समस्त हितग्राहियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित हस्तान्तरिती के नाम से हस्तांतरण करने मे यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

क.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तातरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	श्री शंतनु अंबादास खैरे आ0 स्व0 अंबादास खैरे निः–204, शिवशक्ति स्कूल वर्धा	श्रीमती श्रुतिका वैध श्री उमंग वैध निः–7बी/एवेन्यु ए/से0 07	बिक्रीनामा	मो0ने0न0 पूर्व आ0 यो0 ब्लॉक क्र. 54 भूखण्ड क्र. 03 आकार 216 व0मी0
2	श्री एस0के0डे आ0 स्व0 एन0सी0डे निः–29/13 राधिका नगर, भिलाई	श्रीमती मंजू बिसेन पति श्री बेनिराम बिसेन निः– न्यू कृष्णा नगर भिलाई	बिक्रीनामा	राधिका नगर आ0 यो0 ब्लॉक क्र 29 भूखण्ड क्र. 13 आकार 78.75 व.मी.
3	श्री करी सूर्यनारायण आ0 श्री करी पेन्टैय्या निः– 09/10, कोसा नगर भिलाई	श्री अमित जैन आ0 श्री रमेशचंद जैन निः– 13/07, कोसा नगर भिलाई	बिक्रीनामा	कोसा नगर सस्ता मार्केट भिलाई ब्लॉक क्र 09 भूखण्ड क्र. 10 आकार 450 व0फु0
4	श्रीमती अमिता गुप्ता पति स्व0 संतोष गुप्ता निः– काली बाड़ी हा0बो0 भिलाई	1. श्री कोनेरू पापाराव आ0 श्री के0 नारायण 2. श्रीमती के0 नीलवती पति श्री कोनेरू पापाराव निः– हा0बो0 भिलाई	बिक्रीनामा	इन्द्रप्रस्थ नगर भिलाई भूखण्ड क्र 314 आकार 38.50 व0मी0
5	स्व0 सीताराम आ0 स्व0 रामशरण निः– 22/8, मो0ने0न0 प0 भिलाई	श्रीमती संतोष कुमारी पति स्व0 सीताराम नि. 22/8, मो0ने0न0 प0 भिलाई	वारिसानहक	मो0ने0न0 प0 आ0 यो0 ब्लॉक क्र. 22 भूखण्ड क्र. 08 आकार 360 व0मी0
6	श्रीमती शीला रानी पति श्री प्रीतम सिंह नि. 67/03, मो0ने0न0 पूर्व	श्रीमती मंजीत कौर पति स्व0 रणजीत सिंह गुम्बर नि. 67/03, मो0ने0न0 पूर्व	वसीयतनामा	मो0ने0नं0 पूर्व आ0 यो0 ब्लॉक क्र. 67 भूखण्ड क्र. 03 आकार 216 व0मी0
7	स्व0 कविराज सिंह आ0 स्व0 लालबहादुर नि. नंदिनी रोड सी ग्रुप–60	श्रीमती रामकली सिंह पति स्व0 कविराज सिंह नि. नंदिनी रोड सी ग्रुप–60	वारिसानहक	नंदिनी रोड सी ग्रुप भूखण्ड क्र 60 आकार 450 व0फु0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम
भिलाई

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band.
Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

मुख्यमंत्री ने रायपुर के कलेक्टोरेट चौक में छत्तीसगढ़ महतारी की 11 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का किया अनावरण

छत्तीसगढ़ की अस्मिता, सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक है छत्तीसगढ़ महतारी - भूपेश बघेल

- माटी की परंपरा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्थापित की गई है प्रतिमा
- राज्य के सभी जिलों में लगाई जाएगी छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमाएं
- 1200 किलो वजनी है प्रतिमा, पद्मश्री जे.एम.नेल्सन ने केवल एक माह में किया तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल ने यहां कलेक्टोरेट चौक में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा नवनिर्मित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी हमारे राज्य की अस्मिता, सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की माटी की परंपरा और लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिमा स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सभी जिलों में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमाएं लगाने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य के पारंपरिक त्योहारों, खेलों, कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दे रही है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ महतारी की 11 फुट ऊंची एवं 1200 किलो वजन की इस कांस्य प्रतिमा का निर्माण देश के ख्यातिलब्ध मूर्तिकार भिलाई निवासी पद्मश्री जे.एम. नेल्सन द्वारा केवल एक माह के भीतर किया गया है। इस प्रतिमा स्थल का संरचनात्मक स्वरूप रायपुर के आर्किटेक्ट श्री मनीष पिल्लेवार ने तैयार किया है। इस प्रतिमा का निर्माण जिला प्रशासन, रायपुर के मार्गदर्शन में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड एवं नगर निगम रायपुर द्वारा कराया गया है। इस अवसर पर कृषि मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री रविंद्र चौबे, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, विधायक एवं छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, महापौर एजाज ढेबर, विधायक सत्यनारायण शर्मा, जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार अग्रवाल, स्मार्ट सिटी लिमिटेड रायपुर के एमडी एवं नगर निगम रायपुर आयुक्त मयंक चतुर्वेदी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव : डांस फॉर्म प्रस्तुत कर दिखाई जनजातीय नृत्य शैली की झलक

देश-विदेश के कलाकारों ने सारे जहां से अच्छा की धुन पर किया रेम्प वॉक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में शुभारंभ समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत एवं मंत्रीगण की गरिमामयी मौजूदगी में देश-विदेश से आए कलाकारों ने सारे जहां से अच्छा की धुन पर रेम्प वॉक किया। इन कलाकारों ने अलग-अलग डॉस फॉर्म प्रस्तुत कर अपने देश की जन जातीय नृत्य की झलक दिखलाई।

देश-विदेश से आए नृत्य दलों ने तीन दिनों तक होने वाले नृत्य महोत्सव की झलकियों को दिखाया। इन कलाकारों की प्रस्तुतियों से एक मंच पर दिखा संस्कृतियों का अनूठा संगम। नृत्य दलों ने सामूहिक कदमताल से पिरोई अनेकता में एकता की माला, एकसार हुए पुरातन सभ्यता और संस्कृति के रंग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित अन्य अतिथियों द्वारा नर्तक दलों की प्रस्तुति को देखा। अधिकांश दल के सदस्य ने बताया कि वे पहली बार भारत और छत्तीसगढ़ आए हैं। विदेशी कलाकारों ने छत्तीसगढ़ सरकार को मंच से धन्यवाद दिया। सबसे पहले रेम्प पर इजिप्ट के कलाकारों ने अपनी लोक शैली का झलक प्रस्तुत की। इसके बाद इंडोनेशिया, मालदीव के नर्तक दल ने अपनी प्रस्तुति दी। मोजम्बिक के नर्तक दल ने नृत्य करते हुए शानदार एंट्री कर सबका मन मोह लिया। मंगोलिया के कलाकारों ने सफेद और नीली रंग में छटा बिखेरी। न्यूजीलैंड के नर्तक दल ने काले रंग की वेशभूषा के साथ प्रस्तुति दी। रुस, रवांडा, सर्बिया, टोगो की टीम ने भी नृत्य की शानदार झलक दिखाई। देश के विभिन्न राज्यों में आंध्र प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश के नर्तक दल के कलाकार पारंपरिक वेश भूषा के साथ रैंप पर उतरे। असम, जम्मू-कश्मीर के बाद गोवा के

कलाकारों ने पारंपरिक परिधान और वाद्य यंत्रों के साथ तथा गुजरात के नर्तक दल ने शानदार प्रदर्शन किया। हिमाचल प्रदेश, हरियाणा के नर्तक दल ने सुंदर पोशाक में नृत्य शैली की झलक प्रस्तुत की। कर्नाटक का नर्तक दल थाप पर थिरका। राजस्थान, केरल, लक्षदीप, लद्दाख, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड के नर्तक दलों ने जनजातीय शैली की झलक प्रस्तुत की। ओडिशा, झारखंड, सिक्किम ,त्रिपुरा के वनांचल से आए नर्तक दल ने भी जनजातीय नृत्य शैली की झलक प्रस्तुत की। त्रिपुरा के नर्तक दल ने सिर पर चिमनी रख कर नृत्य प्रस्तुत किया। तेलंगाना का नर्तक दल ने रंग बिरंगी वेश-भूषा में सिर पर मयूर की पंख लगाए प्रस्तुति दी। तमिलनाडु नर्तक दल ने सुन्दर वेश-भूषा में जनजातीय शैली का प्रदर्शन किया। आखिरी में सबले बढ़िया छत्तीसगढ़िया हमारी छत्तीसगढ़ का नर्तक दल रैंप पर उतरा।

गुलाबी ठंड में आदिवासी नृत्य का दर्शकों ने उठाया लुत्फ

न्यूज़ीलैंड के कलाकारों ने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया बोलकर दर्शकों को भाव-विभोर किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में तीसरा राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में देश के साथ-साथ विदेशों से भी आदिवासी कलाकार शामिल हुए और अपनी संस्कृति और लोक नृत्य की अनुपम झलक पेश की है। छत्तीसगढ़ में गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। गुलाबी ठंड के बीच राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में आए लोग देर रात तक जमे रहे हैं। गीत, संगीत और नृत्य ने अतिथियों को कार्यक्रम में डटे रहने के लिए मजबूर किया। आदिवासी कलाकारों ने नृत्य के जरिए पूरे कार्यक्रम में समां बांध दिया।

राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम का लुत्फउठाया है। इस दौरान देश-विदेश से आए आदिवासी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी है।

इस कार्यक्रम में कलाकार आदिवासी संस्कृति को समेट लाए थे। साथ ही विदेश से आए कलाकारों ने भी शानदार प्रस्तुति की है। न्यूज़ीलैंड के कलाकारों ने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया बोलकर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। न्यूज़ीलैंड की टीम द्वारा हाका नृत्य प्रस्तुत किया। इन कलाकारों ने छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि से मैत्री और छत्तीसगढ़ की भूमि वंदना की। वही छत्तीसगढ़ के अप्रवासी असम के कलाकारो द्वारा करमा नृत्य की प्रस्तुति दी।

असम के कलाकार इस नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ के जुड़ाव को प्रस्तुत किये। इंडोनेशिया के कलाकारों द्वारा शानदार फ्यूज़न डांस की प्रस्तुति देकर नृत्य के विविध रंगों को प्रदर्शित की। टोगो के कलाकारों द्वारा पारंपरिक वाद्य यंत्रों पर उत्साह से भरे नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति ने कार्यक्रम पर मौजूद अतिथियों की नजरें हटने नही दी। वही राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के पहले दिन के अंतिम कार्यक्रम में इजिप्ट के कलाकारों ने अंतिम क्षणों में दर्शकों में नई ऊर्जा का संचार किया और अपनी प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सवः छत्तीसगढ़ सहित देश-विदेश की विभिन्न जनजातियों की विविधता पूर्ण संस्कृति, परंपरा व लोककला का हो रहा है दर्शन

विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों एवं विदेशी जनजातीय नृत्यों ने लोगों को किया आकर्षित, खेती ,पर्व, अनुष्ठान एवं विवाह पर आधारित नृत्यों का हुआ प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तृतीय राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के पहले दिन राजधानी रायपुर के साइंस कालेज मैदान में जबरदस्त माहौल देखने को मिला. महोत्सव के पहले दिन विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ ही विदेशी कलाकारों ने अपने नृत्य कौशल से सभी को अचंभित किया. महोत्सव के दौरान जनजातीय कलाकारों ने खेती, पर्व, अनुष्ठान एवं विवाह से संबंधित नृत्य कलाओं का प्रदर्शन कर लोगों को अपनी तरफ आकर्षित किया.

केरल राज्य के जनजातीय कलाकार पनिया निरूथम नृत्य लेकर मंच पर उपस्थित हुए थे. यह नृत्य पारंपरिक अनुष्ठानों के उपर आधारित है. केरल में पनिया का अर्थ पहला आदिवासी होता है. इसके बाद मिजोरम के कलाकार मंच पर अपने नृत्य को लेकर आए. चिराग नृत्य शैली को प्रदर्शित कर मिजोरम के कलाकारों ने समां बांधा. इस नृत्य को बंबू डांस के रूप में भी जाना जाता है. चिराग नृत्य जनजातीय प्राचीन नाट्य शैली है. यह नृत्य मुख्यत: फसल कटाई और वैवाहिक अनुष्ठान पर आयोजित होता है. लक्षद्वीप के जनजातीय कलाकारों ने भी अपने प्रसिद्ध लावा नृत्य प्रदर्शन कर लोगों का दिल जीता. यह नृत्य धीमी गति से प्रारंभ होकर विलंबित और फिर द्रुत नृत्य में परिवर्तित होता है जिसको देखकर रोमांच उत्पन्न होता है. कर्नाटक के कलाकारों ने ऊर्जा और उत्साह से भरपूर ढोलू कुनिथा नृत्य का प्रदर्शन किया. यह नृत्य कर्नाटक के चरवाहे पुरूषों के द्वारा प्रदर्शित किया जाता है. ढोलू कुनीथा शौर्य नृत्य का प्रतीक है जिसमें प्रमुख वाद्ययंत्र के रूप में ढोल का प्रयोग होता है.

गौरतलब है कि राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में भारत के कई राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों समेत दस देशों मोजांबिक, मंगोलिया, टोंगो, रशिया, इंडोनेशिया, मालदीव, सर्बिया, न्यूजीलैंड, इजिप्ट और रवांडा के 1500 जनजातीय कलाकार शामिल हो रहे हैं. साइंस कॉलेज मैदान पर राज्योत्सव के दौरान विकास प्रदर्शनी में राज्य शासन के 21 विभागों के स्टॉल, शिल्पग्राम में 40 स्टाल, फूड जोन में 24 स्टाल, थीम हैंगर में विभिन्न उद्योगों और सार्वजनिक उपक्रमों के स्टॉल, 40 व्यावसायिक स्टाल बनाए गए हैं। इस आयोजन में आने वाले दर्शकों के किए अनेक आकर्षण हैं जिसमें छत्तीसगढ़ सहित देश-विदेश की विभिन्न जनजातियों की विविधता पूर्ण संस्कृति, परंपरा और लोककला देखने को मिल रही है. छत्तीसगढ़ सरकार के विभिन्न विभागों की लोककल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विकास प्रदर्शनी के माध्यम से पिछले पौने चार वर्षों में छत्तीसगढ़ की विकास गाथा की झांकी देखने को मिल रही है ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950